Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021

शिव आमंत्रण
आध्यात्म की नई उड़ान
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष 09 | अंक 01 | हिन्दी (मासिक) | जनवरी 2022 | पृष्ठ 16 | मूल्य ₹ 9.50

नववर्ष की शुभकामनाएं 2022

आजादी का अमृत महोत्सव] राष्ट्र निर्माण में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की देशव्यापी पहल

'अमृत' से निकलेगी स्वर्णिम भारत की तस्वीर

जनवरी से दिसंबर 2022 तक सालभर चलेगा आजादी का अमृत महोत्सव

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय का संयुक्त एक वर्षीय अभियान

शिव आमंत्रण, आबू रोड। राष्ट्र निर्माण में एक और कदम बढ़ाते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा देशव्यापी अभियान शुरू किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत जनवरी से दिसंबर-2022 तक सालभर विभिन्न संगोष्ठी, सभा, सम्मेलन, गोष्ठी, बाइक रैली, सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम पर सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन देशव्यापी अभियानों का भव्य शुभारंभ समारोह ब्रह्माकुमारीज़ के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय आबू रोड, शांतिवन में 19 जनवरी 2022 को किया जाएगा। वहीं 2 से 6 अक्टूबर तक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें विश्व भर से अपने-अपने क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां शिरकत करेंगी।

युवा, किसान, पर्यावरण और महिलाओं पर रहेगा विशेष फोकस

अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा युवा वर्ग, महिला वर्ग, किसान और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम, सभा, सम्मेलन, संगोष्ठी और अभियानों का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों का मकसद स्वर्णिम भारत की संकल्पना को साकार करना है। साथ ही हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः का उद्घोष करते हुए स्वतंत्रता के वास्तविक मूल्यों को मंगलकामना के साथ भारत को पुनः विश्वगुरू के सर्वोच्च शिखर पर प्रतिष्ठित करना है।

शेष पृष्ठ 2 पर ➤

19 जनवरी 2022

को शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान में होगा भव्य उद्घाटन

2 से 6 अक्टूबर

वैश्विक शिखर सम्मेलन-2022- (विश्व शांति का अग्रदूत भारत)

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार 75 सप्ताह तक मनाएगी

अमृत महोत्सव-

आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च, 2021 को शुरू हो चुकी है, जो हमारी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की उल्टी गिनती शुरू करती है और 15 अगस्त, 2023 को एक वर्ष के बाद समाप्त होगी।

भारत के हर मन का पर्व बने

"ये हमारा सौभाग्य है कि समय ने, देश ने इस अमृत महोत्सव को साकार करने की जिम्मेदारी हम सबको दी है। एक तरह से ये प्रयास है कि कैसे आजादी के 75 साल का ये प्रयोजन, आजादी का ये अमृत महोत्सव भारत के जन-जन का, भारत के हर मन का पर्व बने।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

राष्ट्रनिर्माण में ब्रह्माकुमारीज़ की पहल

"राष्ट्रनिर्माण और स्वर्णिम भारत की संकल्पना को साकार करने के पावन लक्ष्य को लेकर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा अमृत महोत्सव के तहत वर्ष 2022 में साल भर अनेक अभियान और कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान के देशभर में स्थित सेवाकेंद्रों पर किया जाएगा। इनके माध्यम से लोगों को देशप्रेम, हमारी पुरातन संस्कृति आध्यात्मिकता और योग का संदेश दिया जाएगा।"

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान

"सुस्ती के भिन्न-भिन्न रूपों को चेक कर चेन्ज करना है!"

पृष्ठ 1 का शेष ➤

'अमृत' से निकलेगी स्वर्णिम भारत की तस्वीर

ब्रह्माकुमारीज़ ने देशहित से जुड़े हर मुद्दे स्वच्छता अभियान, नारी सशक्तिकरण में निभाई महती भूमिका

भारत को स्वर्णिम राष्ट्र और नैतिक मूल्यों की पुर्नस्थापना के पावन उद्देश को लेकर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पिछले 85 साल से जन-जन को संदेश दिया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि आज संस्थान से 12 लाख से अधिक लोगों ने जुड़कर अपना जीवन निर्व्यसनी, संयमित, मूल्यनिष्ठ बनाया है

देशव्यापी अभियान का मकसद

- देशप्रेम की भावना का जागरण
- मेरा भारत, स्वर्णिम भारत, सशक्त भारत
- भावी पीढ़ी और राष्ट्र निर्माण
- युवाओं में चरित्र निर्माण
- खुशहाल, संपन्न अन्नदाता
- मेरा भारत- भ्रष्टाचारमुक्त, अपराधमुक्त और व्यसनमुक्त भारत
- साम्प्रदायिक एकता, सौहार्द्र और शांति का संदेश
- मानव में नैतिक मूल्यों का विकास और सकारात्मक प्रेरणा

इस तरह चलेगा अभियान...

फरवरी

- **अखिल भारत मोटर बाइक रैली (फरवरी से 6 अप्रैल तक):** इस अभियान के अंतर्गत भारत के विभिन्न शहरों से 5 विभिन्न रैलियां करीब 25 हजार किमी का सफर करके दिल्ली पहुंचेंगी, जहां समापन कार्यक्रम होगा।
- **सर्वधर्म समागम, सर्वधर्म सम्मेलन (फरवरी):** सभी धर्मों के धर्मगुरुओं को एक मंच पर आमंत्रित कर संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **भारतीय सुरक्षा बलों के बलिदान को नमन:** सुरक्षा सेवा प्रभाग की ओर से शहीदों की याद में संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन।
- **आत्मनिर्भर भारत से स्वर्णिम भारत:** व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की ओर से विभिन्न कंपनियों, उपक्रमों, व्यापारी संगठनों में कार्यक्रमों का आयोजन।

मार्च

- **भारतीय गौरवशाली संस्कृति का पुरुत्थान:** कला एवं संस्कृति प्रभाग की ओर से सांस्कृतिक महोत्सव व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन।
- **महिलाएं: नए भारत की ध्वजवाहक (8 मार्च):** महिला दिवस पर संस्थान के महिला प्रभाग की ओर से सभा और सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।
- **आत्मनिर्भर किसान (मार्च-अप्रैल)** : कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की ओर से किसानों की उन्नति के लिए सभा और सम्मेलनों का आयोजन।

अप्रैल

- **मेरा भारत, स्वस्थ भारत (12 अप्रैल)** : विश्व स्वास्थ्य दिवस पर चिकित्सा प्रभाग की ओर से चिकित्सा शिविर व अभियान का आयोजन।
- **डिजिटल भारत से दिव्य भारत:** आईटी प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ:** महिला प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **प्रशासन और नेतृत्व में दिव्यता:** प्रशासक सेवा प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।

मई-जून

- **प्रबुद्ध भारत के लिए प्रज्जवलित मीडिया (3 मई):** मीडिया प्रभाग की ओर से विश्व पत्रकार दिवस पर संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **सुरक्षित यातायात, सशक्त भारत (8-14 मई):** यूएन सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत यातायात एवं परिवहन प्रभाग की ओर से जागरुकता अभियान चलाए जाएंगे।
- **मेरा देश, मेरी शान:** भारतीय धरोहरों के संदर्भ में शिपिंग एविएशन व टूरिज्म प्रभाग की ओर से आयोजन।

- आध्यात्मिकता का संदेश
- राजयोग मेडिटेशन प्रशिक्षण
- पर्यावरण संरक्षण
- भारत की आधार नारी शक्ति

- **बाल व्यक्तित्व विकास शिविर (मई-जून):** शिक्षा प्रभाग की ओर से बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जाएगा।
- **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून):** देशभर में योग के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- **अनुसंधान में आध्यात्मिकता:** स्पार्क प्रभाग की ओर से तपस्वियों, योगीजन और महापुरुषों के लिए सम्मेलन का आयोजन।
- **जल एंव ऊर्जा संरक्षण (5 जून)** : पर्यावरण दिवस पर प्रकृति संरक्षण को लेकर संगोष्ठी और सम्मेलन का आयोजन।

जुलाई

- **बाल स्वास्थ्य एवं कुपोषण मुक्त भारत :** चिकित्सा प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **गौरवशाली भारत के लिए राजनीति में दिव्यता:** राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की ओर से जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं के लिए सभा और सम्मेलनों का आयोजन।
- **बेहतर भारत के निर्माण में न्यायपालिका की भूमिका:** न्यायविद् प्रभाग की ओर से न्यायाधीश, अधिवक्तागण और न्यायपालिका से जुड़े लोगों के लिए सम्मेलनों का आयोजन।

अगस्त

- **हरित भारत मिशन (अगस्त-सितंबर)** : देशभर के सेवाकेंद्रों के माध्यम से सघन पौधारोपण अभियान
- **स्वतंत्रता के नायकों की स्मरांजली (15 अगस्त):** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की स्मृति में भारतवर्ष के विभिन्न शहरों में इस थीम के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- **सशक्त युवा, समृद्ध भारत (12 अगस्त):** अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को प्रेरित करने के लिए युवा प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलनों का आयोजन।
- **मैराथन व सद्भावना दौड़:** स्पोर्ट्स प्रभाग की ओर से खेलकूद संबंधी प्रतियोगिताओं का आयोजन।

सितंबर

- **स्वर्णिम भारत के लिए नई शिक्षा (5 सितंबर):** शिक्षक दिवस पर शिक्षा प्रभाग की ओर से संगोष्ठी और सम्मेलन का आयोजन।
- **मानवता के संरक्षक (21 सितंबर):** विश्व शांति दिवस पर समाजसेवा प्रभाग की ओर से समाजसेवियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।
- **आत्मनिर्भर भारत में इंजीनियरों की भूमिका (15 सितंबर):** इंजीनियर दिवस पर वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग की ओर से संगोष्ठी, सम्मेलन और अभियान का आयोजन किया जाएगा।

अक्टूबर-नवंबर

- **स्वच्छ भारत अभियान (2 अक्टूबर)** : इसके तहत स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।
- **माउंट आबू अंतरराष्ट्रीय शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल (अक्टूबर-नवंबर):** फिल्मोत्सव के माध्यम से आध्यात्मिकता का संदेश दिया जाएगा।

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

- महसूसता की शक्ति से जीवन में बदलाव संभव है...

पिछले अंक से क्रमशः

प्यूरिटी में ही सर्वाधिक हीलिंग पावर है

दो मुस्लिम बहनें बांग्लादेश से जो यूट्यूब पर मेरा क्लास सपरिवार सुनते रहते हैं। उनके पति को कैंसर था। मद्रास से इलाज कराया। डॉक्टरों ने कह दिया कि बहुत सिरियस केस है। कोशिश तो करते हैं लेकिन उम्मीद नहीं है बचने की। तभी उन्हें मेरा क्लासेज यूट्यूब पर मिलने लगा। उन्होंने क्लास अनुसार प्रयोग करना शुरू किया। बिना ज्ञान के ही मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूं। पानी चार्ज करके पिला रही हैं बहन जी अपने पति को। कुछ दिनों में वो बिलकुल ठीक हो गया। उसके बाद वे हमसे मिलने आये। एक दूसरा भाई कलकत्ते से आया। उसकी लड़की जो खाट पर सोते समय नीचे गिर गयी थी। उसके सिर में चोट आने की वजह से उसकी बुद्धि डल होने लगी। दिन प्रतिदिन उसकी बुद्धि डल होती जा रही थी। उनकी चिंताएं बढ़ने लगी। बेचारे डॉक्टरों को कुछ समझ में नहीं आ रहा है, वे दवाएं देते आ रहे हैं कुछ होता नहीं। डॉक्टरों ने कहा कि इसकी नसे दब गयी है। मैं आजकल देख रहा हूं कि कैसे-कैसे मानसिक रोग बढ़ते जा रहे हैं। एक केस और आया इधर। एक लड़की बाईस साल की अचानक ऐसे हो गया कि उसको अपनी आइडेंटीटी का पता ही नहीं। आइडेंटीटी माना वो कौन है, उसका नाम, पता आदि। उसका कुसुम नाम है। उससे मेरी फोन पर बात कराई गयी। मैंने कहा कुसुम, कोई आवाज नहीं, सुमन, तो भी कोई आवाज नहीं। कुछ देर के बाद बोली-भाई जी मैं सुमन नहीं कुसुम बोल रही हूं। वह लड़की है वो भी मैं भूल रही हूं। उसके माता-पिता बोलते हैं कि इसे डाक्टरों ने बहुत सी दवाईयां खिला दी। मैंने कहा कि ये डाक्टरों के इलाज का केस ही नहीं है। मैंने उन्हें कहा कि आप एक अच्छे योगी बन जाओ। अब उन्होंने अभ्यास शुरू किया है। मैं जो बात बहुत पहले से कहता था आने वाला समय ऐसा ही है। एक समय ऐसा आएगा कि संसार की आधी जनसंख्या रात को सोएगी ही नहीं। वे किसको याद करेंगे? वे अपने इष्ट देव-देवीयों को याद करेंगे। उनके करूण संकल्प आप निमित्त आत्माओं को सोने नहीं देंगे। जब वे सो नहीं पाएंगी तो अपने इष्ट को पुकारेंगी कि हमें सुलाओ। तो हमें फिर से सोचना होगा कि हमें क्या करना होगा? ये परिस्थिति मुझे लग रहा है कि 2025 तक आते-आते विकराल रूप ले लेगी। क्योंकि फाइनल विनाश से पहले सबके हिसाब-किताब चुक्तु होने हैं। ऐसे नहीं होगा कि पहले बम फुटेंगे नहीं पहले हिसाब-किताब चुक्तु होंगे। तो हमें अपनी स्थिति को इतना उंच उठाना है कि हम संसार को मदद कर सकें। मैं यहां रहस्य की बात बता दूं कि बात सन 1975 की है, राखी का त्योहार था। दादी गुलजार ने बाबा को भोग लगाया। उन दिनों राखी का त्योहार आज की तरह नहीं था। बहनें सबको राखी बांधती हैं और भेजती भी हैं। दादी ने बाबा को भोग लगाया, उस समय ओम शान्ति भवन तो नहीं बना था। केवल मेडिटेशन हॉल बना था तो बाबा ने केवल एक मिनट का संदेश दिया। कहा कि 'ऐसा समय आएगा जब तुम्हारे सामने बीमार लोगों की भीड़ आएगी। तुम सबको दृष्टि देंगे और वो निरोग हो जाएंगे। लेकिन ये काम उनके द्वारा होगा जो सम्पूर्ण निर्विकारी बन जाएंगे। निर्विकारी प्यूरिटी से भी आगे है। सम्पूर्ण प्यूरिटी से भी आगे। उसमें मन में कोई भी व्यर्थ संकल्प न जावे। ना ईर्ष्या-द्वेष ना छलकपट कुछ नहीं। ये सेवा हममें से कुछ लोगों के द्वारा ही हो पाएगा। तब से मैं विचार करने लगा था और मुझे यह समझ में आता गया कि प्योरिटी में ही सबसे हीलिंग पावर है। हीलिंग पावर माना रोगों को ठीक करने की शक्ति। वह हमारे नैनों से निकलेगी। आंखों से जो प्योर वायब्रेशन निकलेंगे वो सबके रोग एक साथ खत्म करेंगे। तो ये सर्वोच्च स्थिति है और यह खेल होना है तो हमें अपने को ऐसा चेंज करना है अपनी महसूसता के द्वारा। महसूसता दो तरह की, हमें ये भी पता हो कि हमारी कमी क्या है जिसे हमें बदलना है लेकिन हमें ये भी पता हो कि हमारी महानताएं क्या हैं। मैं बहुत शक्तिशाली हूं इसे स्वीकार कर लें।

श्रेष्ठ कर्म ही हमारा धर्म है

स्व-प्रबंधन

बीके ऊषा
स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

- धर्म-ग्रंथों से ▸ इसी जन्म में हमें कर्मों की गुह्य गति का ज्ञान प्राप्त होता है
- चित्रगुप्त के हिसाब में कभी कोई गड़बड़ नहीं हो सकती।

एक बात जरूर है कि कर्म का फल जितना जल्दी प्राप्त हो जाता है तो उसे स्वीकार करने की शक्ति अधिक होती है और उस कर्म का फल जितनी देर से मिलता है उतनी ही दुःख की भोगना अधिक हो जाती है। जैसे किसी से उधार लिया हुआ जितना जल्दी चुका देते उतना जल्दी बोझ उतर जाता है लेकिन जितना समय निकलता जाता तो उसका बोझ भी महसूस होता और ब्याज भी बढ़ता जाता है, यह मनुष्यों को ज्यादा तकलीफ महसूस कराता है।

कई बार मनुष्य के मन में यह भी प्रश्न आता है कि आज के युग में जो बेईमानी से जीते हैं वे तो मौज करते हैं और जो ईमानदारी से जीते हैं वह दुःखी क्यों होते है?

इस बात को एक दृष्टांत से समझते हैं:-''एक बार दो व्यक्ति एक रास्ते से गुजर रहे थे। उसमें एक बड़ा बेईमान था और दूसरा बड़ा ईमानदार था। चलते-चलते उन्होंने देखा कि रास्ते में एक बटुआ पड़ा हुआ था। बेईमान व्यक्ति ने तुरंत वह बटुआ उठा लिया। उसने खोलकर देखा तो उसमें 1000 रुपये थे। ईमानदार व्यक्ति ने भी सब कुछ देखा। बेईमान ने कहा चूंकि हम दोनों ने देखा है तो इस रकम को आधा-आधा बाँट लेते हैं। ईमानदार आदमी ने कहा देखो भाई जिसका यह बटुआ होगा शायद उसका वेतन का दिन हो। घर जाते समय वही रास्ते में गिर गया, बेचारा कितना दुःखी होगा। शयद उसने पुलिस में फरियाद की होगी। उस व्यक्ति को अगर उसका बटुआ मिल जायेगा तो कितना खुश होगा और कितनी दुआएं देगा। इस पर बेईमान बोला- देखो भाई, अगर यह पैसे उसके नसीब में होते तो उसका बटुआ गिरना ही नहीं था और उसका बटुआ गिरने के बाद इस रास्ते से और कोई गया ही नहीं, हम ही पहले व्यक्ति है और हमें ही यह मिला है माना यह पैसे हमारे नसीब के हैं इसलिए हमें इसे प्रसाद समझकर ही स्वीकार कर लेना चाहिए। अगर हम पुलिस थाने में जाकर जमा कराएंगे तो यदि यह धन उसके नसीब में ही नहीं है तो पुलिस वाले आपस में बाँट लेंगे। उसको तो मिलेगा ही नहीं। और हमने कोई चोरी तो नहीं की है। हमें अपने आप मिला है। उसे किसी का पता भी नहीं लिखा है जो उसको जाकर दे दें। इसीलिए मेरा कहना है कि हमें बाँट लेना चाहिए। अगर तुम्हें नहीं लेना है तो मैं पूरा का पूरा पैसा रखने के लिए तैयार हूँ। ईमानदार ने कहा कि मुझे यह पैसा नहीं चाहिएं। तो उस बेईमान ने पूरा पैसा अपने पास रख लिया। जैसे ही वे थोड़ा आगे बढ़ा तो जो ईमानदार था उसको पैर में बहुत जोर से काँटा चुभ गया। बेईमान ने उसे ताना मारा, देखो बड़ी ईमानदारी की बात कर रहा था न? इसीलिए तुम्हें काँटा चुभ गया। बेईमानी से जीओ तो पर्स मिलेगा। यही आज की दुनिया का हिसाब है।

> कई बार मनुष्य के मन में यह भी प्रश्न आता है कि आज के युग में जो बेईमानी से जीते हैं वे तो मौज करते हैं और जो ईमानदारी से जीते हैं वह दुःखी क्यों होते है?

कुछ देवता आकाश मार्ग से जा रहे थे उन्होंने यह दृश्य देखा तो उन्होंने सोचा कि यह भी कोई बात है? बेईमान को पर्स मिल रहा है। और ईमानदार को काँटे लग रहे है, लगता है चित्रगुप्त के हिसाब में कुछ गड़बड़ हो रही है। सभी देवता मिलकर परमात्मा के पास गये और कहने लगे कि भगवन, आज हमनें मनुष्य लोक में एक विचित्र दृश्य देखा। लगता है कि चित्रगुप्त के हिसाब में कुछ गड़बड़ हो रही है। भगवान ने कहाः चित्रगुप्त के हिसाब में कभी कोई गड़बड़ नहीं हो सकती। तब देवताओं ने सारे दृश्य का वर्णन किया कि जो ईमानदार था उसको काटें चुभ रहे है और वो भी इतना जोर से कि उसको खुन निकलने लगा था और जो बेईमान था उसको पैसे से भरा बटुआ मिला।

मैं परमात्मा का एंजिल हूं, शांत आत्मा हूं...

आध्यात्म की उड़ान

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

- अंतर्मन ▸ नुमाशाम, अमृतवेला मिस ना हो चाहे कितना भी बिजी हो
- अपनी पवित्रता को नेचुरल बनाओ।

हम जब फास्ट बोलते हैं और जोर से बोलते हैं, उसका रिजन यह है कि हम ज्यादा सोचते हैं मतलब हमारी थॉट्स बहुत फास्ट चलती है। जब हमारी थॉट्स बहुत फास्ट चलती हैं न तो हमारे वर्ड्स भी बहुत जल्दी-जल्दी निकलते हैं। जैसे यहां जब ज्यादा क्रियेट होगा तो वही ज्यादा मुख से निकलेगा। यहां जब हंड्रेड वर्ड तैयार होंगे तो मुख से उतने ही वर्ड बाहर आयेंगे। अगर यहां सब ठीक हो गया और इसकी स्पीड कम हो गयी तो वर्ड्स निकलने वाले अपने आप स्लो हो जाएंगे। तो कभी भी वर्ड्स पर कुछ करना ही नहीं होता। अगर हमारा चलने का तरीका, बात करने का तरीका, जैसे हम कई बार बोलते हैं न कि हमारी पर्सनालिटी कैसी होती है। हमारा उठना,बैठना, चलना, मूव करना सब कुछ, अगर आप साइकिल चलाते हैं तो आपके साइकिल चलाने का तरिका। जैसे मैं कार चलाती थी तो मैं बहुत फास्ट चलाती थी। फास्ट मतलब जितनी चाहिए उससे फास्ट चलाती थी और जैसे मैंने रियलाइज किया कि फास्ट चलाना मतलब मेरा माइण्ड फास्ट चल रहा है। जैसे ही यहां चेंज आने लगा वो कार चलाने का तरिका अपने आप चेंज हो गया। हमारा जो बाहर-बाहर के बिहेवियर होते हैं न जो हमारे बाहर की पर्सनालिटी होती है जनरली हम उसको देखते हैं। पर एक्चुअली वो हमारे बाहर के पौधे होते है। बाहरी पौधा दिखता है न बीज नहीं दिखता है। बीज नीचे होता है जो नहीं दिखता, प्लांट दिखता है। ऐसे ही हमारा बाहरी बिहेवियर दिखता है। सबको दिखता है हमको भी दिखता है। अगर हम सिर्फ प्लांट को ठीक करना चाहें तो पूरा प्लांट नहीं ठीक हो सकता। आपको बीज की क्वालिटी अच्छी डालनी है। आपको बीज को रोज पानी डालना है। अगर आप पौधे के हर एक पत्ती को पानी से धोवो तो क्या पौधे में ग्रोथ होगा नहीं न। तो हमें पानी सीड को देना है, जड़ को पानी देना है। हमने सोचा कि अरे ये पौधा तो मुर्झा रहा है। पानी लाकर एक-एक पत्ते को धोया, फूल को धोया। तो भी सभी पौधे मुर्झा जाएंगे तो हमें पौधे के जड़ में पानी देना है। इसी तरह हम अपने पर्सनालिटी में, अपने बिहेवियर में, हम अपने बात करने के तरिके में, हम अपने पढ़ने के तरिके में, हम अपने बिहेवियर करने के तरिके में हम बहुत सारा चेंजेज लाना चाहते है। लेकिन हम उसे बाहर करने की कोशिश करते हैं। पर एक्चुअली उसमें से मेजारिटी चीजों का सम्बंध यहां से होता है। इसलिए आज हमारा सबसे पहला लर्निंग होगा जो आपने बहुत सारे सुन्दर-सुन्दर प्लांट हमें दिखाएं, उससे यह सीख मिलती है कि हमें बीज में, जड़ में परिवर्तन लाना है। पौधे पर परिवर्तन नहीं लाया जा सकता है। पौधा तो उस बीज का रिजल्ट है। अब आप सबने अलग-अलग क्वालिटी के बीज बोए हुए होंगे और कौन सी चीज का बीज बोया। जिस फ्रुट का, जिस फ्लावर का आपने बीज बोया होगा, तो वही वाला निकलेगा न? अगर मैंने गुस्से का बीज बो दिया तो उसके बाद कितने फ्लावर हमारे मुख से निकलेंगे। सोचो कैसे वाले निकलेंगे। ऐसे पत्थर निकलेंगे सबको मारेंगे। मैंने बीज ही गुस्से पाला बोया है अन्दर। परन्तु अगर मैने बीज ही बोया कि- आई एम अ पीसफुल सोल, मैं परमात्मा का एंजल हूं। मैं सबके साथ बहुत शांत रूप से, आराम से बात करने वाली आत्मा हूं। ऐसा मैंने सिर्फ थॉट क्रिएट किया मतलब मैंने बीज बोया तो धीरे-धीरे बीज का असर पूरे प्लांट पर दिखाई देना शुरू हो जाएगा। बाहर कुछ भी नहीं करना है। फर्स्ट चेंजिंग जो हम अपने में लाना चाहते हैं वो अपने अन्दर थॉट लेवल पर करना है।

> हमारा जो बाहर के बिहेवियर होते हैं न जो हमारे बाहर की पर्सनालिटी होती है जनरली हम उसको देखते हैं। पर एक्चुअली वो हमारे बाहर के पौधे होते हैं।

"दिव्य बुद्धि को स्वच्छ बनाओ तो तीसरा नेत्र एकरस खुला रहेगा!"

अव्यक्त फरिश्ता

दादी गुलजार (हृदयमोहिनी)
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

अन्तर्मुखी माना देह के भान से दूर

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। वास्तव बाबा के साथ अगर अनुभव करते रहें तो उनके साथ से हमको शक्ति मिलेगी। जहाँ सूर्य होगा वहाँ प्रकाश होगा ही। बाबा साथ हैं तो बाबा की ताकत का वायब्रेशन मिलेंगे। ऐसे नहीं साकार में तो बाबा है ही नहीं, आता है स्टेज पर मुरली बजाकर चला जाता है, मिलने को भी नहीं मिलता है। लेकिन हमेशा साथ का अनुभव होना चाहिए क्योंकि बाबा अव्यक्त हुआ ही है बच्चों के पुरूषार्थ की गती को, सेवा को तीव्र करने के लिए। व्यक्त रूप में इतनी फास्ट सेवा नहीं कर सकते। अव्यक्त रूप में एक सेकण्ड में वर्ल्ड का चक्कर लगा सकते है। इसलिए बाबा ने सिर्फ चोला और कमरा बदला है। व्यक्त से अव्यक्त बने और मधुबन से सूक्ष्म वतनवासी बने। लेकिन क्यों बने? हम बच्चों की पुरूषार्थ की गति को तीव्र करने के लिए। इसलिए मन में कोई बात आती है तो बाबा को फ्रेंड के रूप में सुना दो। जैसे दादी अपना अनुभव सुनाती हैं कि मन की जो भी बाते होती हैं वो बाबा से अमृतवेले कर लेती हूँ। इसलिए दादी सदा हर्षित रहती है। आप के मन में कोई भी बात आएगी तो चेहरा बदलेगा, चाल बदल जायेगी। इसलिए जरूरी है कि हम सदा बाबा के साथ का अनुभव करें, बस बाबा और मैं उनका बच्चा हूँ। बच्चे को कुछ भी होगा तो वह फौरन माँ-बाप के पास आएगा तो हम भी बच्चे हैं, हमारी जिम्मेवारी बाबा ने ली है। और बाबा कहता है मैं साथ देने के लिए ही आया हूँ। बाबा ऑफर करता है सिर्फ आप ऑफर स्वीकार कर उसका अनुभव करो। अनुभव कम करते हो, और-और बातों में मन बीजी हो जाता है। बाबा साथ है तो कोई भी बात हो बाबा को सुना दो और खुद निश्चिंत हो जाओ। चलो मैं कमजोर हूँ, ब्राह्मण जीवन के जो संस्कार है वो मर्ज हो जाते है। और पुराने स्वभाव-संस्कार इमर्ज हो जाते हैं। तो संस्कार इमर्ज क्यों होते हैं? मन फ्री है तब तो उसको टाइम मिला न। जैसे जब कोई बीजी होता है तो आउट का बोर्ड लगा देता है। तो आउट का बार्ड लगा दो। अन्तर्मुखी माना देह के भान से आउट, फिर कोई आयेगा कैसे? अगर ऐसी स्थिति है तो साथ-साथ का अनुभव बहुत अच्छा होता है। लेकिन हमने मन को गुड़ियों के खेल में बिजी कर रखा है तो बाबा के साथ का अनुभव कैसे कर सकेगा? इसलिए बाबा कहते हैं पहले अपने मन को कंट्रोल करो। मनोबल को बढ़ाओ। मन में बल है, मन सर्वशक्तिमान है लेकिन वो शक्तियाँ यूज नहीं करते हो।

सभी कहते हैं हम अष्ट शक्ति स्वरूप हैं, सर्व शक्तियां छोड़ो, आठ शक्तियाँ ईमर्ज रूप में हों तो क्या नहीं हो सकता! हमारे मन को एक ही काम मिला गया न। भले स्थूल में हम कुछ भी करें, मन को एक काम मिल गया कि मुझे मनोबल से विश्व का कल्याण करना है। एक ही काम उसको दो। यज्ञ से प्यार है इसलिए कर्मणा में भी मदद कर रहें हैं लेकिन मन का लक्ष्य क्या है? लक्ष्य तो यही है-बाबा का यज्ञ है, बाबा की सेवा है तो यहाँ जो भी आवे प्यार के,स्नेह के वायब्रेशन ले जाए। तो मन को लक्ष्य दो। लक्ष्य एकदम पक्का हो-मुझे मन को विश्व कल्याण में बिजी रखना है। सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण...यह जो देवताओं की महिमा है,ऐसा हमको ही बनना है। हम लागों ने इतने वर्ष ऐसे ही गंवाये हैं क्या, जो और आयेंगे और हमसे आगे चले जायेंगे? वो तो बाबा कहते कोई मिसाल बनेंगे। **क्रमशः...**

...और शिव बाबा का भारत जाने का आदेश

ईश्वरीय स्मृति में लवलीन रहते हुए यज्ञ-वत्स वैसे ही परिपक्व हो गये थे जैस कि एक बीज अंकुरित होकर कली और फूल के बाद फल रूप धारण करता है

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। अब ईश्वरीय सेवार्थ, उस अति प्यारे पिता द्वारा पढ़ी विद्या की झलक लोगों को देने के निमित्त अथवा उस सुखदाता, सर्व के सहारे प्रभु का यह सन्देश देने के लिये जाना ही होगा-पाप की गठरी शीश पे, आ गया है काल। माया रावण कर रहा **आज तुझे बेहाल।।**

आज तुझे बेहाल, स्वयं शिव आया है। दर-दर भटक रहे मानव को सहज योग सिखाया।।

गृहस्थ जीवन कमल-पुष्प सा वह आज बनाते। परमपिता शिव ज्ञान-योग की राह दिखाते।।

रात अंधेरी दु:ख की रही कल की बीती। ज्योति रूप भगवान से अब कर लीजै प्रीति।।

अब कर लीजै प्रीति, ज्ञान-सागर सुखकारी। रचकर दैवी सृष्टि सुख की करें तैयारी।।

आत्माभिमानी बनाय 'मन्मनाभव' सिखलाते। परमपिता शिव ज्ञान योग की राह दिखाते।।

जनता की रूहानी सेवार्थ यज्ञ-वत्सों की परिपक्व अवस्था

ब्रह्माकुमारी ध्यानी जी ने लिखा है- ''अब ईश्वरीय सेवा के लिए बाहर जाने का समय आ गया लगता था। शिव बाबा ने भारत जाने का आदेश ईश्वरीय सेवार्थ ही तो दिया था।''

इधर ईश्वरीय विद्या को धारण करते हुए तथा ईश्वरीय स्मृति में लवलीन रहते हुए यज्ञ-वत्स वैसे ही परिपक्व हो गये थे जैसेकि एक बीज अंकुरित होकर कली और फूल के बाद फल रूप धारण करता है आर तब बोने वाले की तथा जनता की सेवा में काम आता है। ईश्वरीय विद्या के अध्ययन से मनुष्य के जीवन में जो नम्रता, प्रेम, पवित्रता, हर्ष, अनासक्ति-भाव और दूसरों के प्रति जो करूणा और कल्याण-भावना जागृत होनी चाहिए, वह अब यज्ञ-वत्सों के जीवन में प्रचुर मात्रा में अथवा परिपक्व अवस्था की झलक दे रही थी। अत: अब दूसरे नर-नारी यज्ञ-वत्सों की इन दिव्य धारणाओं का रसास्वादन करके अपने जीवन में दिव्यता ला सकते थे। अब उनकी स्थिति ऐसी हो चुकी थी कि उन्होंने कर्मेन्द्रियों को जीत लिया था। अब मुख का विषय अर्थात् स्वाद उनके मुख को द्रवीभूत या लालायित नहीं कर सकता था। भोजन के स्वाद और चस्कों के प्रति उनका मन अनासक्त हो चुका था और वे सफेद पोशाक अथवा सादा जीवन तो बहुत पहले से अपना चुकी थीं। योगियों के समान अब उनका तन-मन शीतल हो चुका था और संसार के जन-धन में उन्हें कोई आकर्षण अथवा रस अनुभव नहीं होता था। नाम-रूप के प्रति अर्थात् देहों और देह-धारियों के प्रति उनका राग भी मिट चुका था तथा विभिन्न घरों से आई हुई ढाई-तीन सौ कन्याएँ, माताएँ इतने वर्षों तक इकट्ठी रहकर भाव-स्वभाव, आवेश और द्वेष की भट्ठी से भी स्वच्छ होकर निकल चुकी थीं। लोक-लाज, निन्दा, भय आदि की परीक्षाओं को तो वे बहुत पहले सिन्ध में ही पार कर चुकी थीं। स्त्री चोले में रहते हुए भी आत्मा-निश्चय के अभ्यास द्वारा वे स्त्रीत्व का भान भी काफी हद तक मिटा चुकी थीं। अत: अब उनकी ऐसी अवस्था हो चुकी थी कि वे नरकमय, कलियुगी लोगों के संग के रंग से स्वयं सुरक्षित रह सकती थीं और उनको अपनी धारणाओं तथा स्थिति से प्रभावित करके उनके जीवन में भी परिवर्तन ला सकती थीं। बाबा और मम्मा के दिव्य जीवन की झलक अब ज्ञानवान यज्ञ-वत्सों के जीवन में भी दिखाई देती थीं। जैसे सागर का जल सूर्य के प्रकाश और ताप के फलस्वरूप उड़ कर आकाश में मेघ रूप धारण कर पर्वतों पर मँडराता है और फिर मैदानों में जाकर वर्षा करता तथा भूमि को हरा-भरा करता है और जन-जन को सुख और खुशी देता है, वैसा ही समय अब आ गया था। **क्रमशः..**

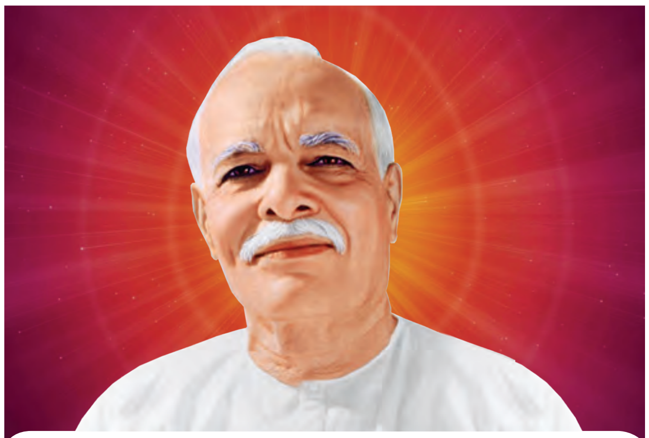

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा
साकार संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अब मुख का विषय अर्थात् स्वाद उनके मुख को द्रवीभूत या लालायित नहीं कर सकता था।

परमात्मा को दिल से याद करने से खुशी जमा होती जाती है

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

■ शिव आमंत्रण

न चमड़ी से प्यार है न दमड़ी से प्यार है। दोनों धोखेबाज हैं।

आबू रोड। ब्राह्मणों को कोई इच्छा नहीं, कामना नहीं। फ्री है स्वच्छ साफ हैं। चाहिए क्या, पैसा भी बहुत कम खर्चते हैं। जो चाहिए वह भगवान की तरफ से मिलता है। यह शरीर सेवा अर्थ है। तो अपने को इच्छा से मुक्त करना माना जीवनमुक्त रहना। जीवन में है पर मुक्त, खुश, बहुत हल्के हैं। न चमड़ी से प्यार है न दमड़ी से प्यार है। दोनों धोखेबाज हैं। न रूप न रूपया, हमको क्या चाहिए, कुछ नहीं चाहिए। बाबा मिला सबकुछ मिला। न्यारे हैं प्यारे है। ज्ञान सूर्य की सकाश लो तो अन्दर खारा-पन निकल जायेगा औरों को समझाने में जितना टाइम देते हैं, मन से मुख से औरों को समझाते हैं फिर अपने मन को अपने लिए बैठकर समझायें- तू शिवबाबा को यादकर तो पहाड़ जैसी बात भी राई हो जायेगी। सारे दिन में मुख से या मन से हम औरों को कितना समझाते और अपने को कितना समझाते? अपने लिए तो मुख चलाना नहीं है, अपने लिए अन्तर्मुखी बनना होगा। मुख से बोलों या कानों से सुने या आँखों से देखें तो अपने मन को नहीं समझा सकेंगे। जब देखते सुनते हैं तो मुख से औरों को समझाते हैं। पहले मन में समझाना शुरू करते हैं फिर टाइम आता है तो मुख से समझाते हैं। तो सारा दिन क्या करते हैं? अपने को समझाते हैं या औरों को? आत्मा का ज्ञान मिला है - परमात्मा को याद करने का। किसी देहधारी को याद किया माना देह को याद किया। बाबा ने इतनी समझ दी है कि हे आत्मा, तू परमात्मा को याद कर। आत्मा और परमात्मा का रूप क्या है, फिर उसके बीच संबंध क्या है, वह भी पता चला है। दोनों का रूप एक जैसा है लेकिन अन्तर कितना बड़ा है। परम आत्मा एक है और उसके साथ आत्मा के सर्व सम्बन्ध है। यह समझ होने से मात-पिता, सतगुरू की सैक्रीन है वह जैसे मास्टर सर्वशक्तिमान बना देती है। उनकी याद अपने आप खिंचती है। दिल में सही रूप से ज्ञान है, अच्छी तरह से दिल में मान लिया, पहचान लिया। आँखों से दिखाई नहीं पड़ता लेकिन दिल लग गई है। दिल से पहचान लिया है। तब तो समर्पण हुए हैं। दिल से याद करने से खुशी जमा होती जाती है। साकार बाबा के महावाक्य - बच्चे, और कुछ नहीं करो लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना हो तो खुशी जमा करते जाओ। खुशी जमा करने के लिए -दे दान तो छुटे ग्रहण। ग्रहण छुटेगा फिर क्या होगा। सूर्य की सकाश ले सकेंगे। सूर्य की सकाश कितना बड़ा काम करती है, वह सिर्फ रोशनी नहीं देती, लेकिन सागर से पानी खींच कर नमक को अलग कर देती है, बादल भरकर वर्षा कर देती है। तो सूर्य की सकाश, सूर्य की किरणें अन्दर के कूड़े किचड़े को खत्म कर देती हैं। इसलिए बाबा कहते, हे आत्मा परमात्मा को याद करो उससे कनेक्शन जोड़ो तो सकाश मिल जायेगी। रोशनी भी आ जायेगी, खुशी भी आ जायेगी। इस रोशनी में खुशी क्यों होती है? अन्दर का दु:ख व दर्द खत्म कर हो गया। ज्ञान सूर्य परमात्मा की सकाश से अन्दर जो दु:ख था वह खत्म हो गया, अच्छा कर्म करने के लिए उमंग-उत्साह आ गया तो खुशी आ गई। फिर किसको नहीं देखते, जितना मैं करूं उतना अच्छा। आत्म-अभिमानी स्थिति से बाबा की याद में इतनी ताकत मिल जाती है, जो बाबा कराये वह करूं। बुद्धियोग लगाने से टचिंग आ जाती है यह करना है, यह करना है। फिर कैसे करेंगे? अन्दर से आता है यह करना है। फिर कैसे करेंगे? अन्दर से आता है सबके सहयोग से, सबकी शुभकामनाओं से हो जायेगा। आदि से लेकर वन्डर यही होता जो इतने सब स्थापना के कार्य होते आ रहे हैं, हम सबकी प्रीति की अंगुली से पहाड़ उठा है। सिर्फ स्नेह भरा सहयोग देने का ख्याल आ गया। **क्रमशः...**

स्वस्थ रिश्ते के लिए एक-दूसरे के प्रति अंदर-बाहर से विचारों की सफाई जरूरी

जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन गुरुग्राम, हरियाणा

जैसे बच्चों और माता-पिता के बीच एक खूबसूरत रिश्ता होता है, निःस्वार्थ भाव।

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। हम सभी के जीवन में हमारे रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। रिलेशनशिप यानी ऊर्जा का आदान-प्रदान। हमारे रिश्तों में, परिवार के साथ, दोस्तों के साथ, हमारी काम की जगह पर, सहकर्मियों के साथ, हम जो सोचते हैं, अनुभव करते हैं, बोलते हैं, जो व्यवहार करते हैं, वह हमारा स्पंदन है। सामने वाला जो सोचता है, महसूस करता है, व्यवहार करता है, वह उनका स्पंदन है जो मुझ तक पहुंचता है। यह जो ऊर्जा का आदान-प्रदान है, इसे ही रिश्ता कहते हैं।

रिश्ता सिर्फ वो नहीं है, जो किसी लेबल के जरिए होता है। यानी सिर्फ माता-पिता का बच्चों से, दोस्त-दोस्त का, पति-पत्नी का, पड़ोसी का पड़ोसी से रिश्ता ही रिश्ता नहीं है। रिश्ता दो आत्माओं के बीच ऊर्जा का आदान प्रदान है। फिर वो दो आत्माएं अलग-अलग भूमिका निभा रही हैं। जैसे पिता की, दोस्त की। हम अक्सर सोचते हैं कि रिश्ता वो है जो बाहर दिखता है। मतलब एक-दूसरे से हम कैसे बात करते हैं, एक-दूसरे के लिए क्या करते हैं।

> “हम कोशिश बहुत कर रहे हैं, लेकिन कोई गलतफहमी, कोई नाराजगी, कोई दुःख, कोई अधूरी उम्मीद है। ये क्या है, उसको जांचना है।

> छोटी बातों पर इतनी उम्मीदें हैं कि उम्मीदें पूरी नहीं होतीं और हम आहत हो जाते हैं।”

कितनी बार हम खुद को ये कहते हुए सुनते हैं आपने इस रिश्ते के लिए क्या किया। यह कितना महत्वपूर्ण कथन है। सामने वाला कहेगा मैंने इस रिश्ते के लिए ये किया... वो किया....। मैंने न दिन देखा, न रात। मैंने अपनी क्षमता से ज्यादा इनके लिए किया। मैंने अपने बारे में नहीं सोचा, सिर्फ इनके बारे में सोचा। हमारा फोकस यह हो जाता है कि हमने एक-दूसरे के लिए क्या किया। लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है कि हमने एक-दूसरे के लिए क्या या कैसा सोचा।

रिश्ता सिर्फ वो नहीं है, जो हम उनके लिए कर रहे हैं। रिश्ता वो है जो हम उनके लिए सोच रहे हैं। क्योंकि मन की तरफ हम ज्यादातर ध्यान नहीं देते हैं। समाज भी इस पर ध्यान दे रहा है कि उन्होंने क्या किया, उसके लिए क्या किया, मेरे साथ काम करने वालों ने मेरे लिए क्या किया, कंपनी के लिए क्या किया। हमारा समाज हमने क्या किया इस पर ध्यान केंद्रित करता है। यानी हम उस पर फोकस करते हैं जो दिखता है। रिश्ते जब सिर्फ 'क्या किया' से बनते हैं, तो बहुत मजबूत नहीं होते हैं।

क्योंकि हम सारा दिन जो कर रहे हैं, रिश्तों के लिए ही तो कर रहे हैं। चाहे घर के रिश्तों के लिए, चाहे ऑफिस के रिश्तों के लिए। और इतना करने के बाद, इतनी मेहनत के बाद, अपना पूरी जीवन उस रिश्ते में लगा देने के बाद हम ये महसूस करते हैं कि ये रिश्ता उतना मजबूत नहीं है। छोटी-सी बात से रिश्ता हिलने लगता है।

'ये छोटी-छोटी बातों में नाराज क्यों हो जाते हैं।' 'इतना मैंने इनके लिए किया, वो इनको याद नहीं रहता, ये छोटी-सी बात पकड़कर बैठे हैं।' 'कल तुमने ऐसा नहीं किया।' 'किया' शब्द पर इतना ज्यादा ध्यान है कि हमें लगता है कि इतना करने के बाद भी रिश्ता मजबूत नहीं है। इसलिए आज थोड़ा-सा बदलाव करते हैं। रिश्ता पहले आत्मा के साथ होता है। किसी भी एक रिश्ते को ढूंढें, जिसमें आपको लगता है कि दो लोगों के बीच जो सामंजस्य, आसानी, ऊर्जा का खूबसूरत बहाव होना चाहिए, वह नहीं है।

हम कोशिश बहुत कर रहे हैं, लेकिन कोई गलतफहमी, कोई नाराजगी, कोई दुःख, कोई अधूरी उम्मीद है। ये क्या है, उसको जांचना है। तो उस रिश्ते में जाकर, उस व्यक्ति के लिए, मन के पास आइए। आप ये नहीं देखिए कि आपने उनके लिए क्या-क्या किया है। अपने मन के अंदर आइए। सबसे पहले इस पर ध्यान दीजिए कि उनके लिए वह सब करते हुए हमारे मन की स्थिति कैसी थी। जैसे बच्चों और माता-पिता के बीच एक खूबसूरत रिश्ता होता है, निःस्वार्थ भाव। माता या पिता को बदले में कुछ नहीं चाहिए होता। वे बच्चे के लिए सिर्फ देते ही हैं। ये बहुत ही सुंदर निःस्वार्थ रिश्ता है। तो देखें कि किसी के लिए कुछ करते वक्त आपने मन की स्थिति क्या थी। कोई भी आपसे पूछे आप इतनी मेहनत क्यों करते हो, थोड़ा आराम करो ना, कितना भागते रहते हो सारा दिन, परिवार के लिए, घर के लिए, बच्चों के लिए भागते रहते हो, फिर भी बच्चे नाराज हो जाते हैं। वे सम्मान नहीं करते हैं, हमारे साथ वक्त नहीं बिताते हैं, अपनी ही दुनिया में रहते हैं, हमारी तरफ ध्यान नहीं देते हैं। छोटी बातों पर इतनी उम्मीदें हैं कि उम्मीदें पूरी नहीं होतीं और हम आहत हो जाते हैं। जब हम सोचते हैं कि मैंने इतना किया, ये अभी भी मुझसे संतुष्ट नहीं हैं। संतोष दिखाई नहीं दे रहा। मैं और क्या करूं इनके लिए, जिससे ये संतुष्ट हो जाएं।

अलविदा डायबिटीज

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

डायबिटीज के दुष्प्रभाव

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। Hypoglycemia (Low blood suger) **का उपचार-** हम सभी को अब समझ आ गया है कि लो ब्लड शुगर एक गम्भीर समस्या है जो जानलेवा भी हो सकती है। अब देखते हैं कि लो ब्लड शुगर का उपचार हमें कैसे करना है। अगर तब (A)-अगर किसी का ब्लड शुगर 70 मिग्रा % से कम है और सम्पूर्ण रीति से जागृत है अर्थात् सचेत (conscious) है। तब तो हमें बहुत चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। परन्तु तुरन्त ही निम्न बताई गयी विधि को अपनाना चाहिए। मुंह में एक चम्मच Glucose powder (Glucon-D) मुंह में डाल देना। इससे कुछ ही मिनटों में ही शुगर की मात्रा सामान्य हो जाता है। एक ग्लूकोस पावडर को थोड़ा सा पानी में घोलकर भी लिया जा सकता है। कुछ लोग चीनी को दूध में घोलकर अथवा गुड़, मिश्री आदि भी खाते हैं। परन्तु चीनी, गुड़ आदि से शुगर की मात्रा शीघ्र बढ़ती नहीं है। क्योंकि Complex suger है। ऐसे हालात में तो simple suger (जैसे Glucose powder) जो जल्द से जल्द रक्त में पहुंच कर शुगर की मात्रा को बढ़ा सके, लेना चाहिए।

अगर Glucose powder नहीं है तो कोई भी फल का रस (Fruit juice) भी पी लेना चाहिए। अथवा 2-3 Candies भी चबा लेने में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। अगर फल रस वा कैंडीज भी नहीं है तो फिर चीनी, गुण, चाकोलेट, आदि का सेवन किया जा सकता है। परंतु ये सारी चीजें ज्यादा मात्रा में न दें क्योंकि बाद में फिर शुगर की मात्रा बढ़ जाने की सम्भावना रहती है। यह जो उपरोक्त विधि बताई गयी-इससे तुरन्त ही शुगर बढ़ जाती है परन्तु कुछ समय के बाद पुनः शुगर लो होने की सम्भावना रहती है। इसलिए कुछ हल्का सा नास्ता जैसे कि कोई Sandwitch, भुना हुआ चने आदि का सेवन कर लेना चाहिए। ताकि फिर से शुगर की मात्रा लो ना हो। ग्लूकोस लेने के बाद आधे घण्टे के अन्दर ही नास्ता करना उचित है।

अगर शुगर की मात्रा ज्यादा लो हो गया है और व्यक्ति अचेतन (conscious) हो गया है, तब तो समस्या गम्भीर है। और तुरन्त ही इसका उपचार शुरू कर लेना चाहिए क्योंकि विलम्ब करने से जानलेवा हो सकती है। ऐसी स्थिति में निम्न बताई गयी बातों पर तुरन्त ध्यान देना जरूरी है। सबसे पहले अचेतन अवस्था में व्यक्ति को एक करवट कर लेटा देना है। क्योंकि अचेत अवस्था में सीधा लेटने से श्वांस नली अवरूद्ध होने का सम्भावना रहती है और श्वांस प्रक्रिया फिर बंद होकर जानलेवा भी हो सकती है। साथ-साथ तुरन्त ही ग्लूको मीटर द्वारा शुगर की मात्रा चेक कर लेना आवश्यक है। अगर शुगर की मात्रा लो है। अचेतन अवस्था में भी अपनी अंगुलीयों द्वारा अचेतन व्यक्ति का मुंह खोलकर गाल के अन्दर दो तीन चम्मच ग्लूकोस पावडर डाल देना चाहिए। अचेतन थिति में ग्लूकोस को पानी में घोलकर पिलाना घातक हो सकता है। क्योंकि ग्लूकोस पानी के श्वांस नली के अन्दर चले जाने की सम्भावना रहती है। यदि मुंह में ग्लकोज रखने के बाद भी पांच मिनट के अन्दर व्यक्ति नहीं जागता है तब तो अवस्था ज्यादा गम्भीर है और तुरन्त ही एम्बुलेंस मंगाकर नजदीक कोई भी अस्पताल में स्थानान्तरित कर लेना जरूरी है। ध्यान रहे मरीज को करवट ही लेटा कर ही शिफ्ट करना है न कि सीधा लेटाकर। अगर व्यक्ति अचेतन अवस्था में है तो उसके मुंह में ग्लूकोस रखने से वह जाग जाता है तो तुरन्त ही उसको कुछ नास्ता करा देना चाहिए। अचेतन स्थिति में शुगर की मात्रा कम है तो ग्लूकोस का 25% Injection IV (नशों में) लगाया जाता है। अस्पताल जाने में देर है तो घर में भी कोई नर्स या Health worker Glucose Saline IV पिलाया जाता है। Injection Glucose भी ब्लड शुगर बढ़ाने में मदद करता है। लो ब्लड शुगर के दुष्प्रभाव से बचने के लिए लम्बे समय तक भूखा न रहें। साथ में कहीं भी जाते हैं तो साथ में ग्लूको मीटर तथा ग्लूकोस पावडर अवश्य रखें।

संपर्कः बीके जगतजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा को जीवन में अपनाकर आज हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा मिली है...

डॉ. रविना
पुणे, महाराष्ट्र

जीवन में नियम और संयम अपनाकर स्वस्थ्य रहें।

■ **शिव आमंत्रण।** 20 साल से मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हूं। सभी दुःखों का कारण कहीं न कहीं हमारे संकल्प ही होते हैं। मैंने बहुत लोगों के संकल्पों को बारीकी से परखा है। जो रोग ठीक नहीं हो रहे थे वे मेडिटेशन अभ्यास से बहुत जल्दी ठीक होने लगे। मैं अपने रोगियों को परमात्मा का ज्ञान सुनाकर पहले उसे खुश करती हूं उसके बाद थोड़ी दवा का प्रयोग भी बताती हूं। उनका आधा दुःख तो अपने को खुश रखने से ही हो जाता है। आधा बचा रोग नियम संयम और शुद्ध भोजन से खत्म हो पा रहा है। मैं उन्हें जीवन में पवित्रता का व्रत धारण करने के लिए भी प्रेरित करती हूं। जिससे उनके जीवनी शक्ति के संचार के साथ रोग प्रतिरोधी क्षमता भी बढ़ जाता है। नियम, संयम अपनाकर परमात्मा से शक्ति लें अर्थात मेडिटेशन करें तो हमेशा स्वस्थ्य रहेगें।

बीके नरेश
बेगमपुर, बिहार

सकारात्मक संकल्प से मृत्यु को जीत लिया

■ **शिव आमंत्रण।** 2012 में ईश्वरीय ज्ञान मिला। उसके बाद एक सड़क दुर्घटना में मैं मृत्यु के एकदम निकट पहुंच गया था। काफी दिन बेहोश रहा जब यादाश्त लौटा तो अपने को एक हॉस्पिटल बेड पर पाया। मेरा पांव और हाथ टुट चुका था। लेकिन मुझे विश्वास था कि एक दिन मैं चलकर इस हॉस्पिटल से निकलूंगा। तीन महीने बाद ऐसा ही हुआ और मैं चलकर बाहर आया। मैंने हमेंशा पॉजिटिव सोचा। अपने अंदर नकारात्मक भाव आने ही नहीं दिया। जिससे मेरा शरीर जल्दी से रिकवर कर पाया। अभी मैं रोज शिव बाबा का मुरली सुनता हूं। उसके बाद रोजाना मेडिटेशन भी करता हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य ब्रह्माकुमीज़ के ज्ञान में चलते हैं। जिसके कारण मैं और पूरा परिवार खुशनुमा जीवन जीते हैं। अपने को हमेंशा आत्मा समझ परमात्मा शिव बाबा को याद करता रहता हूं।

लौकिक और ईश्वरीय संपत्ति को समर्पित कर साक्षी हो जाओ!

संपादकीय

नये साल में नया सोचें और नया करें

पुराना साल बीत गया और नया साल आ गया। पिछला वर्ष मानव जीवन के लिए बहुत उतार चढ़ाव भरा रहा। जिसमें प्राकृतिक आपदायें तो थी ही साथ ही एक ऐसी अदृश्य बीमारी ने लोगों को तबाह कर दिया जो आंखों से ना दिखने वाली थी। हालांकि यह बीत गया लेकिन अभी तक इसका पूरी तरह से प्रभाव गया नहीं है। लोगों में अभी भी एक नये वैरियंट को लेकर असमंजस की स्थिति है। परन्तु उसे बचने के लिए नये साल में नया प्लान बनायें। इसके लिए स्वच्छता, बाहर से ज्यादा अन्दर की मजबूती जिसे इम्यूनिटी कहते हैं। इसे बढ़ाने की जरूरत है। यह बढ़ेगी कैसे यह हम सभी जानते हैं। इसके लिए आध्यात्मिकता, सकारात्मक सोच, व्यायाम, खुली हवा, स्वस्थ खान पान आदि की आवश्यकता है। इसके साथ ही नये साल में प्रतिदिन हम नया सोचें और नया करने का प्रयास करें। यदि हम नया और सकारात्मक सोचना प्रारंभ कर देंगे तो इससे पुरानी चीजें अपने आप समाप्त हो जायेंगी। इसके साथ ही मेडिटेशन, ध्यान और साधना करना अति आवश्यक है। यदि जीवन में इसका समावेश हो जाये तो नया साल जीवन में कमाल कर जायेगा। नया साल हम सबके लिए ढ़ेर सारी खुशियां लेकर आया है यह महसूस करने की आवश्यकता है। परमात्म वरदानों से पूरे साल हमारा हर दिन खूबसूरत हो, हर दिन मंगलमयी हो। भाईचारे के साथ सबका साथ सबका सहयोग बना रहे। इसी शुभ कामनाओं शुभभावनाओं और दुआओं के साथ नव वर्ष 2022 हम सब के जीवन में ढ़ेर सारा प्यार और खुशियां बरसाते रहे।

बोध कथा/जीवन की सीख

बुद्धि से आत्मा रूपी हीरा को देखो

भगवान ने इसे इतनी अच्छी बुद्धि दी है। इसने उसे आत्मा को, असली हीरे को, पहचानने में नहीं, पत्थर को पहचानने में लगा दिया।

एक राजा के पास एक व्यक्ति एक हीरा लाया और बोला- महाराज! मैं यह हीरा बेचना चाहता हूँ। राजा ने मूल्य पूछा तो वह बोला- श्रीमान! आप जो दे देंगे। बस अन्याय न हो। हीरे का जितना मूल्य उचित हो उतना दे दें। राजा ने मन्त्रियों और जौहरियों से परामर्श किया, पर हीरे के सही मूल्य का निर्णय न हो सका। किसी

ने कहा पाँच हजार तो किसी ने कहा पचास हजार, किसी ने एक लाख कहा तो किसी ने पाँच लाख। अंत में हार कर राजा ने पूरे राज्य में घोषणा करवाई कि हमारे पास एक हीरा आया है, जो कोई भी इस हीरे का उचित मूल्य बताएगा उसे हम यथा योग्य पुरस्कार देंगे। एक संतसेवी लड़के ने यह बात सुनी। वह एक जौहरी का ही पुत्र था और अपने गुरू जी के पास रहता हुआ उनके उपदेश सुनता था। वह राजमहल पहुंचा। उसने हीरे तीन महीने तक परखा और अन्ततः हीरे के गुणों का वर्णन करता हुआ बोला- महाराज! इसका मूल्य सवा करोड़ रुपये है। राजा ने हीरा लाने वाले को सवा करोड़ रुपये दे दिए और हीरा ले लिया। पर अब यह प्रश्न यह उत्पन्न हुआ कि इस लड़के को क्या पुरस्कार दिया जाए? किसी ने कहा पाँच हजार तो किसी ने कहा दस हजार। तीसरे ने कहा कि इतना कुशल लड़का है, इसे बीस हजार रुपये तो देने ही चाहिए। निर्णय नहीं हुआ तो राजा ने फिर घोषणा कराई कि निर्णय हो कि इस लड़के को क्या पुरस्कार दिया जाए? इस घोषणा को उस लड़के के गुरू जी ने भी सुना। वे राजमहल आए, बोले- महाराज! मैं बताता हूँ कि इसे क्या पुरस्कार दिया जाए। इसे कड़कती धूप में खड़ा कर दिया जाए और जब यह पसीना-पसीना हो जाए तब इसे दस जूते लगाए जाएँ, यही इसका पुरस्कार है। राजा ने आश्चर्य से कहा-यह कैसा पुरस्कार है? गुरू जी बोले-यही उचित पुरस्कार है महाराज। भगवान ने इसे इतनी अच्छी बुद्धि दी है। इसने उसे आत्मा को, असली हीरे को, पहचानने में नहीं, पत्थर को पहचानने में लगा दिया। ऐसे मनुष्य को यही फल मिलना चाहिए। आप बताएं कि आप अपनी बुद्धि कहाँ लगा रहे हैं।

सृष्टि पर आत्मिक गतिशीलता एवं जागृत अनादि स्वरूप

जीवन का मनोविज्ञान | भाग - 41

डॉ. अजय शुक्ला
बिहेवियर साइंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल
ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

मानवीय संवेदनाओं का स्मृति बोध जब संपूर्ण जीवन की श्रेष्ठता को उत्कृष्टता के संदर्भ में उल्लेखित करता है तब स्वयं के विराट स्वरूप का साक्षात्कार होना सुनिश्चित होता है। जीवन की वास्तविकता को दृष्टिकोण की व्यापकता से अनुभव करने पर उच्चतम स्थिति का एहसास होता है जिसमें आदि स्वरूप का दार्शनिक परिदृश्य नवीन चिंतन की ओर अग्रसर करता है। आदि स्वरूप का व्यावहारिक परिवेश आत्मिक स्मृति की जीवंतता को पूर्णतया मुखरित कर देता है जिसके अंतर्गत पूर्वज देवात्मा की सात्विकता संपूर्ण रूप में विराजमान रहती है। देवत्व के गुणों से सुसज्जित मनरूस्थितियां ही सत्कर्म की प्रवृतियों को आत्मसात करके निजता की शक्ति से सर्व आत्माओं का उद्धार करने हेतु आदि स्वरूप का अनुसरण करती हैं। आत्म तत्व द्वारा सदा जीवन की श्रेष्ठता का दिग्दर्शन होना स्वयं का नैसर्गिक साक्षात्कार है जो त्रिकालदर्शी स्थिति ए अवस्था एवं स्वरूप को देवत्व की उच्चता में स्थापित करता है।

जीवन का सर्वोच्च परिष्कृत स्वरूप मूल्यपरक संस्कार है जिसकी अभिवृद्धि हेतु मन एवं बुद्धि से संपन्न भगीरथ पुरुषार्थ में पुण्य की जमा पूंजी का विशेष योगदान रहता है। पूर्वज आत्मा का संस्कारगत स्थापित देव स्वरूप सदा सहज ही परिलक्षित होता है जिसमें संपूर्णता की स्थितियां उच्चतम अवस्था के साथ विद्यमान रहकर सर्व आत्माओं का कल्याण करती हैं। मानव की उन्नति के आधारभूत पक्ष में आदि स्वरूप की संचित धरोहर प्रभावशील रहती है जिसके मार्गदर्शन और परामर्श से वर्तमान संदर्भ के मध्य सामंजस्य निर्मित हो पाता है। आदि स्वरूप की स्मृति से आत्मा को अपने पूर्वज देवात्मा का संस्मरण ए सम्मुख प्रकट होते ही पवित्र संस्कार की प्रेरणा यथार्थ रूप से निजता का साक्षात्कार करा देती है। आत्मगत स्वरूप जब त्रिकालदर्शी परिवेश की दिव्यता से पूर्णतः संतुष्ट होता है तब आदि ए मध्य एवं अंत के ज्ञान की प्रासंगिकता देव स्वरूप की स्थापना को सुनिश्चित करती है।

पवित्र स्वरूप की प्राप्ति हेतु आत्म समर्पण का सबल पक्ष निर्धारित होने से सतोप्रधान भाव सर्व आत्माओं को अनुभव होता है जिसमें पवित्रता की सुगंध समाहित रहती है। संपूर्णता की परिधि में सर्व गुणों एवं शक्तियों का समावेश आत्मिक आभा मंडल को सशक्त बनाकर आत्म जगत से प्रकृति को पावन बनाने की प्रक्रिया में संलग्न रहता है। श्रेष्ठतम का घटित और फलित यथार्थ व्यवहारिक दृष्टिकोण से व्यापकता के सानिध्य द्वारा गतिमान रहते हुए आत्मिक पवित्रता के उच्चतम परिणाम को वास्तविकता के धरातल पर अवतरित करता है। आत्म स्मृति से स्वयं की स्थाई स्थापना का संदर्भ एवं प्रसंग प्रबल पुरुषार्थ का आधार बनता है जिसमें आत्मगत परिवेश महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन में सहभागी बन जाता है। अध्यात्म जगत का श्रेष्ठतम स्वरूप आत्मा की पवित्रता है जिसे अनुभव की पराकाष्ठा से जीवन की जीवंतता के साथ चिरस्थाई रखकर संपूर्ण मानवता को अनुप्राणित किया जाता है।

स्वयं का साक्षात्कार जब विराट स्थितियों के संबंध में होता है तब महानता के परिदृश्य में अंतर्निहित गुणात्मक स्वरूप को वास्तविक शक्तियों की अनुभूति के साथ स्वीकारना सहज हो जाता है। उच्चता के आयाम की दिव्यता मन के भाव से वचन का वैचारिक पक्ष एवं कर्मगत व्यवहार के मध्य साम्यका संतुलन ही आत्मा की वैभवपूर्णता को अभिव्यक्त करता है। जीवन की महानता के साथ भगीरथ पुरुषार्थ की प्रबलता संचित पुण्य की पूंजी से पवित्र कर्म की अभिव्यक्ति को व्यावहारिक रूप से सुसज्जित करने में मददगार सिद्ध होती है। मूल्यपरक व्यवहार से सुसज्जित अंतःकरण महानता से युक्त कर्म के क्रियान्वयन में आत्म तत्व का विशिष्ट योगदान होता है जो परम सत्ता के निरंतर सानिध्य से संपूर्ण होता है। आदि स्वरूप की स्मृति का व्यावहारिक परिवेश पूर्वज देव आत्मा के संस्कारगत आचरण की कर्मगत अभिव्यक्ति से गुजरता है तब सत्यम् शिवम् सुंदरम् उद्घोष जीवंत हो जाता है।

मेरे कर्मचारी मेरे परिवार की तरह हैं

मेरी कलम से

श्री नीरज कोचर
चेयरमैन मैनेजर
डाइरेक्टर ऑफ विराज ग्रुप

पढ़ाई मैंने सिर्फ 6 क्लास किया। मगर मेहनत से सब कुछ संभव हो सका...

मेरा बेटा लंदन में और बेटी दिल्ली में रहती है। आज मेरे कंपनी विराज ग्रुप में करीब 11 हजार कर्मचारी मेरे बच्चों की तरह हैं। वे सब मेरे परिवार की तरह हैं। मैंने 14 वर्ष की उम्र में काम करना चालू किया था। पढ़ाई मैंने सिर्फ 6 क्लास किया। मगर मेहनत से सब कुछ संभव हो सका। पहले मेरे अंदर धैर्य नहीं होता था। कोई ऐसी बात हो जाए तो गुस्सा बहुत जल्दी आ जाता था तो पिछले वर्ष जब कोविड हुआ तब मेरी धर्म पत्नी लंदन चली गयी थी। मैं भी अकेला था

फैक्ट्ररी बंद हो गया था। एक दिन गलती से बीके शिवानी का चैनल लग गया। एक दिन हमारे लंदन घर में योगिनी बहन हमारे साथ हैं। हमारे घर का भी ध्यान रखती हैं। उनको मैंने लंदन में फोन किया कि बीके शिवानी को आप जानते हैं तो उन्होंने कहा हां जी जानते हैं। मैंने कहा कि उनका अपनी फैक्टरी में प्रवचन कराना चाहता हूं। वे बोले उनका तो अवेकनिंग चैनल है। फिर उसके बाद मालूम चला कि सबकुछ उनका अपना है। फिर मैं क्या करूं? इनसे कैसे मिलूं? उन्होंने शिवानी बहन से मेरा परिचय कराया। उस दिन से दीपा बहन, मैं और मेरी पुत्रवधु को सात दिन तक कोर्स और योग कराया गया। उसी दिन से हम रोज मेडिटेशन करते हैं और रोज मुरली भी पढ़ते हैं। हमनें अपने घर में मेडिटेशन सेंटर बनाया है। अब रोज 150 व्यक्ति वहां क्लास करते हैं। वैसे हमारे यहां पहले 6000 लोंगों का भोजन बनता था लोग प्रसन्न थे या नहीं थे मगर जब मैं ओ.आर.सी. गया तो मैंने वहां के दीदी को रिक्वेस्ट किया तो उन्होंने मुझे 6 बीके दे दिए जो हमारे किचन में आए उनसे हमने उधर शुद्ध भोजन बनवाना चालू किया। प्रसाद बांटना चालू किया तो हमारे कैंटिन के अन्दर वही प्रसाद बनता है जो हमारे 11000 कर्मचारी खाते हैं। उसके बाद हमें यहां शांतिवन आकर बहुत सीखने को मिला है। यहां के रसोई का सारा सिस्टम देखा तो अब यह लगता है कि यहां और हमारे वहां में जो अंतर है उसे दूर करने का प्रेणा लेकर जाना चाहिए। ताकि यहां की तरह हजारों लोगों को कम समय में स्वच्छ और शुद्ध भोजन मिल सके।

"जो लोग धन जुटाने से ज्यादा लोगों से उनका प्यार जुटाने में लगे रहते हैं असल में वही लोग जिंदगी जी रहे होते हैं।"

सरोजनी नायडू, लेखिका

"अगर आप वक्त की कद्र नहीं करोगे तो एक समय ऐसा आएगा जब वक्त भी आपकी कद्र नहीं करेगा।"

दादाभाई नौरोजी, समाजनेता

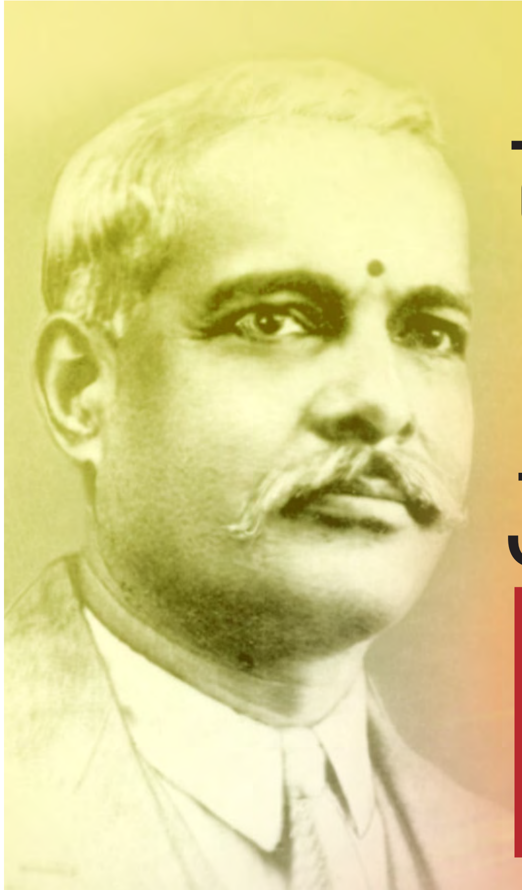

स्मृति विशेष] 18 जनवरी पिताश्री ब्रह्मा की पुण्यतिथि

दादा लेखराज से प्रजापिता ब्रह्मा तक का अलौकिक सफर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक पिताश्री प्रजापिता ब्रह्मा विश्व शांति के मसीहा बन गए हैं। वह सन 1937 से सन् 1969 तक की 33 वर्ष की अवधि तपस्यारत रहे। वे 'संपूर्ण ब्रह्मा' की उच्चतम स्थिति को प्राप्त कर आज भी फरिश्ते रूप में विश्व सेवा कर रहे हैं।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक पिताश्री प्रजापिता ब्रह्मा के नाम से आज जन-जन भिज्ञ हो चुका है। सन 1937 से सन 1969 तक की 33 वर्ष की अवधि तपस्यारत रह वे संपूर्ण ब्रह्मा की उच्चतम स्थिति को प्राप्त कर आज भी फरिश्ते रूप में विश्व सेवा कर रहे हैं। उनके द्वारा किए गए असाधारण, अद्वितीय कर्त्तव्य की मिसाल, सृष्टि-चक्र के पांच हजार वर्षों के इतिहास में कहीं भी मिल ही नहीं सकती। अल्पकालिक और आंशिक परिवर्तनों के पुरोधाओं की भीड़ से हटकर उन्होंने संपूर्ण और सर्वकालिक परिवर्तन का ऐसा बिगुल बजाया जो परवान चढ़ते-चढ़ते सातों महाद्वीपों को अपने आगोश में समा चुका है। वे आज की कलियुगी सृष्टि का आमूल-चूल परिवर्तन कर इसे सतयुगी देवालय बनाने की ईश्वरीय योजनानुसार, परमपिता परमात्मा शिव के भाग्यशाली रथ बने। जैसे हुसैन की शान बहुत थी परंतु जिस घोड़े पर वे सवार होते थे, उसकी शान भी कम नहीं थी। इसी प्रकार, सर्वशक्तिवान, सर्वज्ञ, सर्व रक्षक परमात्मा शिव की महिमा अपरमपार है परन्तु जिस मानवीय रथ पर सवार हो वे विश्व परिवर्तन का कर्त्तव्य करते हैं, उसकी आभा, प्रतिभा का वर्णन भी कम नहीं है। आखिर दादा लेखराज के जीवन के वे कौन-से गुण थे, कौन-सी विशेषतायें थीं, जो भोलानाथ शिव उन पर आकर्षित हो गए, उनके तन में सन्निविष्ट हो गए और विश्व परिवर्तन जैसे असंभव दिखने वाले कार्य के निमित्त उन्हें बना दिया। **आइये, पिताश्री के जीवन-सागर में अवगाहन कर कुछ गुण-मोती चुन लें -**

पिताश्री का दैहिक जन्म हैदराबाद (सिन्ध) में एक साधारण घराने में हुआ था। उनका शारीरिक नाम 'दादा लेखराज था। उनके लौकिक पिता निकट के गाँव में एक स्कूल के मुख्याध्यापक थे। दादा लेखराज अपनी विशेष बौद्धिक प्रतिभा, व्यापारिक कुशलता, व्यवहारिक शिष्टता, अथक परिश्रम, श्रेष्ठ स्वभाव एवं जवाहरात की अचूक परख के बल पर सफल व प्रसिद्ध जवाहरी बने। उनका मुख्य व्यापारिक केंद्र कोलकाता में था।

भक्ति-भावना और नियम के पक्के जवाहरात के व्यवसाय के कारण पिताश्री का संपर्क उस काल के राजपरिवारों से काफी घनिष्ट हो गया। विपुल धन-संपदा और मान-प्रतिष्ठा पाकर भी उनके स्वभाव में नम्रता, मधुरता और परोपकार की भावना बनी रही। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में, किसी भी प्रलोभन के वश अपनी भक्ति-भावना और धार्मिक नियमों को नहीं छोड़ा। कई बार ऐसा होता था कि कुछ राजाओं तथा धनाढ्य व्यापारियों का दादा के यहां भोज होता तो भी दादा उन्हें शुद्ध शाकाहारी भोजन ही देते। कई बार ऐसा भी संयोग होता कि किसी राजा या अन्य विशिष्ट व्यक्ति का दादा के यहाँ अतिथि के तौर पर गाड़ी द्वारा ऐसे समय पर आना होता जब दादा के भक्ति-पूजा या गीता-पाठ का समय होता, तब दादा उनके स्वागत पर स्वयं न जाकर अन्य किसी को भेज देते परंतु वे नित्य-नियम न तोड़ते। इस प्रकार, वे दृढ़ प्रतिज्ञा एवं नियम के पक्के थे। वे श्री नारायण की अनन्य भक्ति किया करते थे और उनका चित्र सदा अपने पास रखा करते थे। मधुर स्वभाव दादा प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक थे। उनका मस्तिष्क उन्नत, शरीर सुडौल, मुखमण्डल कांतियुक्त और होंठों पर सदा मुस्कान रहती थी। नब्बे वर्ष की आयु में भी वे सीधी कमर बैठ सकते थे, दूर तक अच्छी रीति देख सकते थे, धीमी आवाज़ भी सुन सकते थे, पहाड़ों पर चढ़ सकते थे, बैडमिन्टन खेल सकते थे और बिना किसी सहारे के चलते थे। वे प्रतिदिन 18-20 घंटे कार्य करते थे। इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि उनका जीवन कैसे संयम-नियम से युक्त तथा स्वस्थ रहा होगा। आलस्य और निराशा ने तो कभी उनका स्पर्श तक नहीं किया। राजकलोचित व्यवहार. शिष्ट-मधुर स्वभाव और उज्ज्वल चरित्र के कारण उनकी उच्च प्रतिष्ठा थी। दादा स्वभाव से ही उदारचित्त और दानी थे। हैदराबाद के प्रसिद्ध दानी काका मूलचन्द आजवाला उनके चाचा थे। दादा भी उनके साथ ही उनकी बैठक पर पीड़ित लोगों को खूब दान दिया करते थे।

> “पिताश्री मधुर स्वभाव दादा प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक थे। उनका मस्तिष्क उन्नत, शरीर सुडौल, मुखमण्डल कांतियुक्त और होंठों पर सदा मुस्कान रहती थी।

> आलस्य और निराशा ने तो कभी उनका स्पर्श तक नहीं किया। राजकलोचित व्यवहार. शिष्ट-मधुर स्वभाव और उज्ज्वल चरित्र के कारण उनकी उच्च प्रतिष्ठा थी।”

अलौकिक जीवन का प्रारंभ

दिव्य साक्षात्कारों द्वारा दादा का व्यापारिक और पारिवारिक जीवन, लौकिक दृष्टि से सफल एवं संतुष्ट जीवन था परंतु जब दादा लगभग 60 वर्ष के थे तब उनका मन भक्ति की ओर अधिक झुक गया। वे अपने व्यापारिक जीवन से अवकाश निकाल कर ईश्वरीय मनन-चिन्तन में लवलीन तथा अन्तर्मुखी होते गए। अनायास ही एक बार उन्हें विष्णु चतुर्भुज का साक्षात्कार हुआ और उसने अव्यक्त शब्दों में दादा से कहा - अहम् चतुर्भुज तत् त्वम् अर्थात् आप अपने वास्तविक स्वरूप में श्री नारायण हो। कुछ समय के बाद वाराणसी में वे अपने एक मित्र के यहां एक वाटिका में जब ध्यान अवस्था में थे, तब उन्हें परमपिता परमात्मा ज्योतिर्लिंगम् शिव का साक्षात्कार हुआ और उन्होंने इस कलियुगी सृष्टि का अणु व उदजन बमों तथा गृह युद्धों और प्राकृतिक आपदाओं द्वारा महाविनाश होते देखा। दादा को जिन दिनों यह साक्षात्कार हुआ, उन दिनों अमेरिका और रूस ने ऐसे बम नहीं बनाये थे। जब दादा को ये साक्षात्कार हुए, तो उन्हें अन्तः प्रेरणा हुई कि अब व्यापार को समेटना चाहिए। अतः दादा ने कोलकाता में जाकर अपने भागीदार को अपने दृढ़ संकल्प से अवगत कराया और फिर दादा व्यापार से अलग हो गये। परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य प्रवेश इसके कुछ ही दिनों के बाद, एक दिन जब दादा के घर में सत्संग हो रहा था, तब दादा अनायास ही सभा से उठकर अपने कमरे में जा बैठे और एकाग्रचित्त हो गये। तब उनके जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण वृत्तांत हुआ। उनकी धर्मपत्नि व बहू ने देखा कि दादा के नेत्रों में इतनी लाली थी कि जैसे उनके अंदर कोई लाल बत्ती जग रही हो, दादा का कमरा भी प्रकाशमय हो गया था। इतने में एक आवाज़ ऊपर से आती हुई मालूम हुई जैसे कि दादा के मुख से दूसरा कोई बोल रहा हो। आवाज़ के ये शब्द थे -निजानन्द रूपं, शिवोऽहम् शिवोऽहम् ज्ञान स्वरूपं, शिवोऽहम् शिवोऽहम, प्रकाश स्वरूपं, शिवोऽहम् शिवोऽहम। फिर दादा के नेत्र बंद हो गये। कुछ क्षण के पश्चात् जब उनके नयन खुले तो वे कमरे में आश्चर्य से चारों ओर देखने लगे। उनसे जब पूछा गया कि वे क्या देख रहे हैं तो उनके मुखारविन्द से ये शब्द निकले-वह कौन था? एक लाइट थी। कोई माइट शक्ति थी। कोई नई दुनिया थी। उसके बहुत ही दूर, ऊपर सितारों की तरह कोई थे और जब वे स्टार नीचे आते थे तो कोई दैवी राजकुमार बन जाता था तो कोई दैवी राजकुमारी बन जाती थी। उस लाइट और माइट ने कहा कि यह ऐसी दुनिया तुम्हें बनानी है। परंतु मैं ऐसी दिव्य दुनिया कैसे बना सकूँगा? .. वह कौन था? कोई माइट थी, एक लाइट थी..।

- ☑ दादा व्यापारिक जीवन से अवकाश निकाल कर ईश्वरीय मनन-चिन्तन में लवलीन तथा अन्तर्मुखी होते गए।
- ☑ अनायास ही उन्हें विष्णु चतुर्भुज का साक्षात्कार हुआ।

वास्तव में दादा के तन में परमपिता परमात्मा शिव ने ही प्रविष्ट होकर (निजानन्द रूपं) ये महावाक्य उच्चारण किये थे। उन्होंने ही दादा को नई, सतयुगी दैवी सृष्टि की पुनर्स्थापना के लिए निमित्त बनने का निर्देश दिया था। अब दादा परमात्मा शिव के साकार माध्यम बने। ज्योतिबिन्दु परमात्मा शिव ब्रह्मलोक से आकर दादा के तन में प्रविष्ट होते और उनके मुख द्वारा ज्ञान एवं योग के ऐसे अद्भुत रहस्य सुना कर चले जाते जो प्रायः लुप्त हो चुके थे। परिस्थितियां ही परमपुरुष का आह्वान करती हैं।

दादा के मुख द्वारा परमपिता शिव ने बताया कि सभी दुःखों एवं समस्याओं का मूल देह-अभिमान एवं छः मनोविकार काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और आलस्य है। अतः इन पर विजय पाना जरूरी है। इसलिए हरेक को आहार-विहार, संग इत्यादि को सात्विक बनाने के लिये कहा गया तथा यह बताया गया कि विश्व एक अभूतपूर्व चारित्रिक संकट के दौर से गुज़र रहा है इसलिए अब सभी को ब्रह्मचर्य का पालन करना जरूरी है। इसके बिना योगी बनना अथवा अन्य विकारों पर पूर्ण विजय पाना असंभव है।

परमपिता परमात्मा शिव ने दादा को नाम दिया - प्रजापिता ब्रह्मा। सन् 1937 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना हुई। लगभग चौदह वर्षों तक ईश्वरीय ज्ञान तथा दिव्य गुणों की धारणा का और योग-स्थित होने का निरंतर अभ्यास करने के बाद अर्थात् तपस्या के बाद, सन् 1951 में जब यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय आबू पर्वत (राजस्थान) पर स्थानांतरित हुआ तब से लेकर अब तक ब्रह्माकुमारियाँ और ब्रह्माकुमार बहनें-भाई समूचे विश्व की ईश्वरीय सेवा में संलग्न हैं।

सन् 1969 में पिताश्री ने दैहिक कलेवर का परित्याग कर संपूर्णता को प्राप्त किया। उनके अव्यक्त सहयोग से ईश्वरीय सेवायें पहले की अपेक्षा द्रुत गति से बढ़ी जो आज विश्व भर में 137 देशों में सक्ष्म रूप में आज भी बाबा हर बच्चे को अपने साथ का अनुभव कराते हुए कदम-कदम पर सहयोग, स्नेह, प्रेरणाएँ प्रदान कर रहे हैं। आकारी फ़रिश्ता रूप में वे नित्य ही बच्चों से मिलन मनाते हैं।

"इस संगमयुग के समय सारी बुराईयां छोड़ दो।"

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, रायपुर, छग। भाई दूज के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय मुख्यमंत्री भ्राता भूपेश बघेल को क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके कमला बहन द्वारा आत्म स्मृति का तिलक लगाकर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ छ.ग. राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष भ्राता ललित देवांगन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके सविता, बीके वनिषा और बीके महेश भाई भी उपस्थित थे।

पुलिस थाना परिसर में किया पौधारोपण

शिव आमंत्रण, गुमला, झारखण्ड। एनजीओ ग्राम सेवा पथ के सदस्यों के सहयोग से गुमला थाना के परिसर में पौधरोपण करते हुए आईएएस कमल किशोर, बीके आशा बहन, ममता बहन एवं अन्य।

ईश्वरीय संदेश देकर सौगात दी

शिव आमंत्रण। सेंधवा, मप्र। सेंधवा, अनन्त श्री विभूषित जगतगुरु श्री निम्बाकाचार्य पीठाधीश्वर श्री श्री श्याम शरण देवाचार्य जी को ईश्वरीय सौगात एवं मुख्यालय माउंट आबू का निमंत्रण देते हुए सेंधवा केंद्र की संचालिका छाया बहन व हरीश भाई।

विश्व स्मृति दिवस: पन्ना सेवाकेंद्र पर मृत व पीड़ितों के लिए शांतिदान दिया

शिव आमंत्रण, पन्ना, मप्र। सड़क दुर्घटना पीड़ितों प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एडी कनारे, थाना प्रभारी यातायात पन्ना, सुनील पाण्डेय, सज्जन प्रसाद, प्रजापति मुंशी, निशा जैन, पूर्व प्राचार्या शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पन्ना एवं पन्ना सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता।

स्मृति विशेष] सड़क दुर्घटना पीड़ितों के प्रति दी श्रद्धांजलि

सम्यक सतर्कता और धैर्यता से टल सकती हैं संभावित दुर्घटनाएं

- कार्यक्रम की शुरूआत परमात्म स्मृति से की गई।
- ईश्वर को याद कर घर से निकलते हैं एवं गंतव्य पर पहुंचने पर ईश्वर का धन्यवाद प्रकट करते हैं।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी मुख्य अतिथि व बीके भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण, छतरपुर मप्र। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के छतरपुर सेवाकेंद्र पर सड़क दुर्घटना पीड़ितों प्रति विश्व स्मृति दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दुर्घटना पीड़ितों के परिजन, प्रशासन, परिवहन, डॉक्टर एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने पीड़ितों को दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसमें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भ्राता राजेश देवलिया ने कहा कि इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में प्रत्येक मनुष्य आज एक दूसरे से आगे निकलने की दौड़ में लगा हुआ है जिससे वह अपना धैर्य खो देता है। मनुष्य यदि सम्यक सर्तकता और धैर्य रखे तो आने वाली संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है एवं हम अपने अनमोल जीवन को बचा सकते हैं। बीके रीना बहन ने कहा कि यदि हम ईश्वर को याद कर घर से निकलते है एवं गंतव्य पर पहुंचने पर ईश्वर का धन्यवाद प्रकट करते है तो ऐसी अनेक प्रकार की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

डॉ. मनोज चौधरी ने बताया की दुर्घटना के एक घण्टे तक प्राथमिक तौर पर कौन-कौन सी सावधानी बरतनी चाहिए जिससे हम लोगों की जान बचा सकते हैं उन्होंने इस एक घण्टे को गोल्डन आवर नाम दिया। इसी बीच सीनियर एडवोकेट रमेश पटेल ने दुर्घटना के बाद आर्थिक क्षति कैसे पूरी करें, कैसे कहाँ पर आवेदन करें इसके बारे में जानकारी दी।

अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भ्राता अनिल पाठक ने हेल्प डेक्स किस प्रकार कार्य करती है इसके बारे में समझाया। न्यायिक मजिस्ट्रेट भ्राता राजू डाबर ने नाबालिग बच्चों को वाहन ना देने की सलाह दी। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भ्राता अखिलेष मिश्रा ने कहा कि हमें अपने अनुभवों से सीख लेनी चाहिए एवं जागरूकता रखनी चाहिए।

बहन सुनीता अग्रवाल ने अपने अनुभव में बताया कि 20 साल पहले मैंने सड़क दुर्घटना में अपने पति को खोया था लेकिन ईश्वर की मदद एवं परिवार के सहयोग ने मुझे अपने आप को संभालने में मदद की और मैं रूकी नहीं आगे बढ़ी। बीके कमला ने योग कमेंट्री कराई गई। बीके भारती ने यातयात के नियम बताए।

हैंड, हेड और हार्ट का रखें बैलेंस: बीके विद्या

- यातायात नियमों का कड़ाई से करें पालन - एसपी विवेक शुक्ला
- तीन एच अर्थात् हैण्ड, हेड और हार्ट का रखें बैलेंस- बीके विद्या

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व बीके विद्या बहन।

शिव आमंत्रण अंबिकापुर, छग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नव विश्व भवन चोपड़ापारा द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर विशेष मेडिटेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में द्वीप जलाकर सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी।

पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने कहा कि यातायात के नियमों का ना पालन करने और नशे में वाहन चलाने से ही दुर्घटना होती हैं और कभी-कभी तो लापरवाही और हठधर्मिता के कारण भी दुर्घटना होती हैं जो और भी पीड़ादायक होता हैं। पुलिस प्रशासन यातायात के नियमों के प्रति बहुत ही कड़ा नियम लागू करेगी जिसे सभी को पालन करना आवश्यक है और आगे उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ऐसे कार्यो के लिये धन्यवाद के पात्र है और यातायात पुलिस भी अपने कर्त्तव्य की ओर हमेशा तत्पर और अग्रसर रहेंगे।

सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या बहन सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की स्मृति के यादगार में अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि वर्तमान समय दुर्घटना होने का मुख्य कारण है मनुष्य का जीवन फास्ट होना, मोबाइल, नशा और मन की अस्थिरता। जहाँ पर तीन एच अर्थात् हैण्ड, हेड और हार्ट एक दिशा पर काम कर रहे हैं तो वहाँ पर दुर्घटना के केसेस भी कम होते हैं।

आगे उन्होंने सड़क दुर्घटना में मृत आत्माओं को शांति एवं पीड़ितों तथा उनके परिवार जनों को मानसिक संबल प्राप्त हो इसके लिये राजयोग मेडिटेशन कॉमेंट्री के माध्यम से प्रदान किया गया।

महेन्द्रा शोरूम के संचालक रविन्द्र तिवारी ने यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह दी। आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी ने कहा कि 23 प्रतिशत दुर्घटना भागदौड़ के कारण हो रही हैं। यातायात अधिकारी वेदांती बहन ने प्रैक्टिकल करके लोगों को नियम बताए। संचालन बीके प्रतिमा बहन ने किया।

सर्व वर्ग सम्मेलन में दिया परमात्मा का संदेश

शिव आमंत्रण, मुरसान, हाथरस (उ.प्र.)। हाथरस जनपद मुरसान में आयोजित 'सर्व वर्ग सम्मेलन' कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ठ अतिथि के रूप में राजयोगिनी बीके भावना को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन से परमपिता शिव परमात्मा का सत्य संदेश सुनाया। अध्यक्षता कर रहे पुर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य अरविन्द कुमार शर्मा, हाथरस विधायक हरिशंकर माहौर, मुरसान ब्लाक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय, मुकुल उपाध्याय, मुरसान के पूर्व चैयरमैन पं.गिरिराज, किशोर शर्मा एवं अन्य क्षेत्रो के विधायकगण सहित भाजपा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी गण मौजूद थे।

मेरठ में नवनिर्मित सुख शांति भवन बनेगा सुख-शांति की अनुभूति का रुहानी स्थल

✓ भवन का उदघाटन रिबन काटकर और शिव ध्वज फहराकर हुआ।

भवन का उद्घाटन करते हुए बीके राजू व अन्य भाई-बहनें।

» शिव आमंत्रण, मेरठ उप्र.। समाज में शांति और अमन के लिए बने विश्व शांति भवन के उद्घाटन अवसर पर यूपी सरधना विधायक संगीत सोम शामिल हुए। सरधना में 350 गज में बने इस भवन में ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय से बीके राजू सहित दिबाई की बीके कुसुम भी शामिल हुई। भवन का उदघाटन रिबन काटकर और शिव ध्वज फहराकर हुआ। विधायक संगीत सोम ने इस दौरान कहा कि भवन में राजयोग ध्यान से लोगों को फायदा मिलेगा और समाज में एकता और भाईचारा बढ़ेगा। वहीं बीके राजू ने कहा कि नवनिर्मित भवन भविष्य में अनेक लोगों की उन्नति और सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा। भवन में मेडिटेशन कक्ष एवं आध्यात्मिक हॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में माउंट आबू से बीके सुधीर, बीके मोहन, बीके संजय और नोएडा से बीके मंजू, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता समेत मेरठ से बीके सुनिता पुरम, बीके ऊषा और कई बीके टीचर मौजूद रहे।

शांति सरोवर हैदराबाद में नई सुविधाओं का उद्घाटन

शांति सरोवर हैदराबाद में फीताकाटकर उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि।

» शिव आमंत्रण, हैदराबाद, तेलंगाना। ब्रह्माकुमारीज-शांति सरोवर हैदराबाद में कुछ नई सुविधाओं का उद्घाटन बीके करूणा तथा बीके संतोष दीदी द्वारा किया गया। इन दो दिनों में तीन भागों में इन उद्घाटन श्रृंखला का आयोजन किया गया। इन सुविधाओं का निर्माण/नवीनीकरण कोविड की चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान किया गया था। हैदराबाद, सिकंदराबाद, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के कई बीके शिक्षकों ने इस अवसर पर शिरकत की। विभिन्न केंद्रों के कई सैकड़ों बीके भाई-बहनों ने भी भाग लिया। उद्घाटन निम्नलिखित के लिए किया गया था

1) मनमोहिनी डी आइविन स्टूडियो वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग के लिए बहुउद्देशीय अत्याधुनिक स्टूडियो। इसकी विशेषताएं हैं- एक मुख्य स्टूडियो, एक छोटा स्टूडियो, कैमरा सेटअप, व्यावसायिक स्टूडियो प्रकाश व्यवस्था, उचित ध्वनिकी, विशिष्ट पीसीआर (कार्यक्रम नियंत्रण कक्ष), ग्रीन रूम, चर्चा कक्ष आदि। यह स्टूडियो वार्ता, साक्षात्कार, पैनल चर्चा के लिए बनाया गया है। सांस्कृतिक, गीत आदि रिकॉर्डिंग।
2) नवीकृत सभागार पिछले एक वर्ष में सभागार में फाल्स रूफिंग, कारपेटिंग, लाइटिंग, केबलिंग आदि से संबंधित कुछ प्रमुख मरम्मत का कार्य किया गया।
3) आवास ब्लॉक में अतिरिक्त मंजिल आवास की बढ़ती मांग के अनुरूप, 25 कमरों और एक बहुत बड़े भंडार कक्ष के साथ आवास ब्लॉक/आनंद भवन पर एक अतिरिक्त मंजिल रखी गई थी। यह भी पिछले एक साल में किया गया है।
4) परिसर का नया मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त पुराने मुख्य द्वार के स्थान पर पिछले वर्ष परिसर का एक कलात्मक नया मुख्य द्वार बनाया गया था।
5) दीदी के किचन और डाइनिंग को कुछ अतिरिक्त जगह बनाते हुए आवश्यकताओं के अनुरूप नवीनीकृत किया गया था।
6) नए निदेशक का कार्यालय बनाया गया। यह कुलदीप दीदी की बैठकों और संबंधित गतिविधियों में सहायक होगा।

आजादी के अमृत महोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन

» शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा श्री राम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बीके वसुधा बहन ने सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। बाढड़ा के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) भ्राता शंभू राठी एचसीएस, खंड शिक्षा अधिकारी जलधीर सिंह कलकल, हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला सचिव अमित जाखड़ ने भी रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उनका हौसला बढ़ाया और साथ-साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा समाज में दी जाने वाली शिक्षा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस दौरान बीके वसुधा बहन को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

राजयोग मेडिटेशन केंद्र का शुभारंभ कर सिखाया मेडीटेशन

» शिव आमंत्रण, झिरन्या मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के खरगोन मुख्यालय प्रमुख बीके किरण के मार्गदर्शन में राजयोग योग शिक्षा व मेडिटेशन केंद्र का शुभारंभ झिरन्या में किया गया। इस दौरान बीके प्रभाकर व बीके निहाल सिंह, बीके श्याम रघुवंशी ने राजयोग के फायदे बताए। बीके मनीषा ने कहा कि प्रतिदिन अपने को समय देकर हम मेडिटेशन के माध्यम से अपना व अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास कर सकते है वह भी ईश्वर की साधना के साथ। जब हम स्वच्छ निर्मल मन से अपने पारलौकिक पिता को याद करेंगे तो ईश्वरीय दिव्यता ऊर्जा का अनुभव करेंगे। बीके देवकन्या, रजनीश गुप्ता, श्याम अग्रवाल, रिंकू भाटिया, सुनील अग्रवाल राकेश राठौर, प्रदीप पंवार ने भी अपना परिचय दिया। ब्लॉक कालोनी स्थित भाटिया सर के घर के पीछे राजकुमार मंडलोई के निवास पर नवीन केंद्र संचालित होगा जहां प्रतिदिन सुबह शाम माउंट आबू से प्रसारित मुरली व ज्ञानामृत के साथ मेडिटेशन कोर्स करवाया जायेगा।

खबर, एक नज़र

नागरिक सुरक्षा मंत्री के साथ ईश्वरीय चर्चा

» शिव आमंत्रण, वैर (भरतपुर) राजस्थान। संगीतमय आध्यात्मिक राजयोग शिविर अंतर्गत राजस्थान सरकार के गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री भजनलाल जाटव के साथ ज्ञान चर्चा करने के बाद ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके भावना बहन, प्रभारी सादाबाद हाथरस, साथ में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके बबीता बहन एवं गीता बहन।

भोजपुरी अभिनेत्री एवं गायिका प्रतिभा पांडेय का सम्मान

» आरा बिहार। भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री एवं भोजपुरी लोकप्रिय गायिका बहन प्रतिभा पांडेय का आरा सेवाकेंद्र पर आगमन हुआ। आरा सेवाकेंद्र संचालिका बीके किरण दीदी ने ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा परमात्मा शिवबाबा का परिचय भी दिया।

बीके राधा सम्मानित

» शिव आमंत्रण, लखनऊ, उप्र। बीके राधा बहन को उनकी अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय सामाजिक, राष्ट्रव्यापी सेवा व अमूल्य योगदान हेतु ममता चेरीटेबल ट्रस्ट लखनऊ के माध्यम से दिनांक 13-11-2021 को सीएमएस गोमती नगर के ऑडिटोरियम में सम्मानित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिती में माननीय श्री राजनाथ सिंह रक्षामंत्री भारत सरकार के कर कमलों द्वारा ममता र| सम्मान से विभूषित किया गया।

चेयरमैन को दिया ईश्वरीय संदेश

» शिव आमंत्रण, जम्मू। बीके सुदर्शन, नरेंद्र सिंह जम्वाल चेयरमैन जेएमसी को ईश्वरीय सौगात देते हुए।

स्मृति विशेष] सड़क यातायात से पीड़ितों के लिए विश्व स्मृति दिवस का आयोजन

नशा-तनाव दुर्घटना का प्रमुख कारण

- सड़क पर फूलों से भावभीनी श्रद्धांजलि लिखकर एवं दीप जलाकर दी सच्ची श्रद्धांजलि
- यातायात नियमों के पालन हेतु लिया दृढ़ संकल्प

यातायात नियमों के पालन हेतु दृढ़ संकल्प करते हुए बीके भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण, भोपाल, मप्र। सड़क दुर्घटना के कारण प्रतिदिन कई लोग अपनी जान गंवा देते हैं। यदि किसी कारणवश वे बच जाते हैं तो ज्यादातर लोगों में अपंगता आ जाती है। ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं नशे के कारण होती हैं। कई बार चालक के मन में तनाव होना भी दुर्घटना का प्रमुख कारण बनता है। अनेक घटनाओं में यह देखा गया है कि वाहन का सही तरीके से रखरखाव ना होना भी दुर्घटना का कारण बनता है। लेकिन कारण कोई भी हो वाहन में बैठे हुए व्यक्तियों को या कई बार सड़क पर चलने वाले व्यक्तियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्गत सड़क परिवहन विभाग द्वारा इस हेतु विशेष सेवाएं की जा रही हैं। वाहन चलाते समय चालक नशे से कैसे दूर रहें, उनके मन का तनाव दूर करने का क्या तरीका है, इन सब के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही यातायात के नियमों की भी जानकारी दी जाती है। इस हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, वर्कशॉप, अभियान आदि के माध्यम से लगातार लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। उक्त विचार यातायात से पीड़ितों के लिए विश्व स्मृति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ रोहित नगर में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना बहन ने व्यक्त किये।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कर पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पीड़ितों की आत्मा की शान्ति हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया। इस हेतु सड़क में पीड़ितों की याद में फूलों से श्रद्धांजलि के शब्द लिखे गए। कई भाई बहनों द्वारा दीप जलाकर उन्हें स्नेहपूर्ण भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

शूरवीर मरा नहीं करते, वे और उनके कार्य अमर हो जाते हैं

- ब्रह्माकुमारीज़ के कटंगा कॉलोनी सेवाकेंद्र पर सीडीएस विपिन रावत को दी श्रद्धांजली

श्रद्धांजली सभा में संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल एस मोहन।

शिव आमंत्रण, जबलपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के कटंगा कालोनी सेवाकेंद्र पर हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए सीडीएस विपिन रावत सहित उनकी धर्मपत्नी व अन्य सेना के 13 अधिकारियों की शहादत को याद करते हुए श्रद्धांजली दी गई।

इस दौरान वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके विमला ने कहा कि माउंट आबू की यात्रा के दौरान जनरल विपिन रावत जी ने कहा था कि आध्यात्म के मार्ग पर चल रही ब्रह्माकुमारी संस्था रूहानी आर्मी के समान है, जिस्मानी आर्मी देश के बाहर के शत्रुओं से देश की रक्षा करती है तो रूहानी आर्मी हर मनुष्य को उसके अंदर में समाए शत्रुओ रूपी विकारो से रक्षा करना सिखलाती है। आप जैसे महान वीर योद्धाओं के ऊपर मां भारती को बहुत बहुत गर्व है।

माउंट आबू से पधारे बीके हरिहर मुखर्जी ने कहा कि सीडीएस जनरल विपिन रावत जी का जाना देश के लिये बड़ी क्षति है। मुख्य अतिथि जीओसी मध्य भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल एस मोहन ने कहा कि जनरल विपिन रावत जी सारी सेना के अभिवावक थे और वे हमेशा ही देश को आंतरिक और सामरिक रूप से मज़बूत बनाने के लिए सदा कार्यरत रहे। कार्य म में सभी उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्माओं के प्रति राजयोग के माध्यम से अपनी संवेदनायें प्रेषित की। इस दौरान सभी ने मेडिटेशन के माध्यम से सभी शहीदों के प्रति योग के शुभ बाइब्रेशन देते हुए श्रद्धांजली अर्पित की और उन्हें याद किया।

ब्रह्माकुमारीज़ गोवा: टेनिस सुपरस्टार लिएंडर पेस का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, पणजी गोवा। भारतीय टेनिस सुपरस्टार लिएंडर पेस ने भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भाग लिया। आयोजित बाइक रैली के उद्घाटन समारोह में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज़ गोवा के स्पोर्ट्स विंग द्वारा कोविड 19 जागरूकता लाने के उद्देश्य से अभियान का आयोजन किया गया था। जहां खेल विंग के मुख्यालय समन्वयक जगबीर सिंह, गोवा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा मौजूद रहे।

खबर, एक नज़र

जलवायु मंत्री को दी सौगात

शिव आमंत्रण मधेपुरा बिहार। श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित बीके रंजू ने किया। जहां बीके कोशिला, समाजसेवी रागनी रानी, पूर्व प्रमुख विनय वर्धन, बीके किशोर मौजूद रहे। बिहार सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू को और श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन के निर्देशक भास्कर कुमार निखिल को माननीय विधायक प्रोफेसर चंद्रशेखर यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट किया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का हुआ आयोजन

शिव आमंत्रण, इंदौर,मप्र। इंदौर प्रेमनगर सेवाकेन्द्र पर चतुर्थ राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एके जैन प्रदेश अध्यक्ष इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाईजेशन म.प्र. एवं भ्राता ब्रजेश गुप्ता समन्वयक इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाईजेशन म.प्र. प्रबन्धक केन्द्रीय भंडारण निगम, बीके चंदन मेलवानी, बीके शशी बहन, शारदा बहन,यशवनी बहन मौजूद थे।

खेल-खेल में दी बच्चों को शिक्षा

शिव आमंत्रण, भिलाई, छग। पत्थर पर पत्थर पत्थर पर पैसा बिन पानी घर बनाये वो कारीगर कैसा जैसे पहेलियो से सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडोरियम में बाल दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने चिल्ड्रंस डे कार्यक्रम की भव्य शुरूआत की। पीस ऑडिटोरियम में बच्चों और पैरेंट्स ने एक से एक ज्ञानवर्धक, मनोरंजक कार्यक्रम की प्रस्तुति का लाभ लिया। केबीसी की तर्ज पर कौन बनेगा स्प्रिचुल स्टार जैसे कार्यक्रम की बहुत ही अच्छी प्रस्तुति दी गई जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बीके प्रिया ने बच्चों को मोटिवेट किया। महिला चेंबर आफ कामर्स की अध्यक्षा सरोजनी पाणिग्रही उपस्थित थी। भिलाई सेवाकेन्द्रों की मुख्य निदेशिका राजयोगीनी आशा बहन जी ने "जगत नियंता सर्वशक्तिमान परमात्मा की संतान बाल गोपाल प्रिय बच्चो विश्व के कर्णधार आधार बच्चे "संबोधन से अपने अनोखे अंदाज मे बच्चो और उनके पैरेंट्स का स्वागत किया। हमारी दीदी और दादियों ने अपनी त्याग तपस्या से इतना विशाल वट वृक्ष बनाया है। ये सभी बहनें 8 साल 9 साल की उम्र से ब्रह्माकुमारी ज्ञान और निस्वार्थ सेवा कर रही है इन बहनो की त्याग तपस्या और मेहनत है।

सहनशीलता और समाने के गुण से व्यापार और परिवार में आएगी सुख-समृद्धि

- हमारे परिवार में और व्यापार में सुख समृद्धि लानी है।
- शहर के प्रमुख 300 इंडस्ट्रियलिस्ट एवं बिजनेसमैन ने इसका लाभ लिया।

सम्मान के पश्चात् सभी बिजनेसमेन व बीके बहनें।

शिव आमंत्रण, अटलादरा, गुजरात। अटलादरा सेवाकेन्द्र पर आध्यात्मिकता के साथ जीवन और व्यापार विषय पर कार्यक्रम रखा गया। जिसमें माउन्ट आबू से पधारे बिज़नेस एवं इंडस्ट्रीज विंग के राष्ट्रीय संयोजिका आदरणीय राजयोगिनी गीता बहन ने आध्यात्मिकता के साथ जीवन और व्यापार विषय पर विचार देते हुए कहा कि हमें हमारे परिवार में और व्यापार में सुख समृद्धि लानी है तो सहनशीलता और एडजस्टमेंट गुण अपने अंदर विकसित करना पड़ेगा और यह गुण आप जब राजयोग करते हो तब आप में सहजता से विकसित हो जाता है। इस कार्यक्रम में अटलादरा सेवाकेंद्र के संचालिका अरुणा बहन, वड़ोदरा भाजपा प्रमुख डॉ. विजयभाई शाह, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रमुख डॉ. मितेश भाई शाह, क्रेडाई के प्रमुख प्रीतेश भाई, पॉलीफॉर्म कंपनी के चेयर पर्सन शिविंदर चावड़ा, गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के अध्यक्ष हरजीत सिंग, राधिका ज्वैलर्स के ऑनर शशीकांत भाई की उपस्थिति रही। शहर के प्रमुख 300 इंडस्ट्रियलिस्ट एवं बिजनेसमैन ने इसका लाभ लिया।

हरियाणा के कृषि मंत्री का सम्मान

शिव आमंत्रण, सिवानी/हरियाणा। सेवा केंद्र पर हरियाणा के कृषि मंत्री भ्राता जेपी दलाल पधारे साथ में सिवानी नगर पालिका के वाइस चेयरमैन भ्राता रमेश पोपली, बीके राजेंद्र, बीके निर्मल उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट कर रहे हैं।

व्यसनमुक्त जीवन बनाने का दिया संदेश

शिव आमंत्रण, हरपालपुर म. प्र.। प्रजापिता बह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय हरपालपुर सेंटर के द्वारा ग्राम उमरई में आध्यात्मिक प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही समय की पहचान, व्यसन मुक्त जीवन बनाने पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में ग्राम उमरई से प्रधान उदय भान सिंह और गांव के भाई बहनों ने भारी संख्या में पहुंचकर लिया लाभ। कार्यक्रम की शुरुआत में कुमारी तृप्ति ने स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। हरपालपुर सेंटर से बीके आशा ने अपने शुभ विचार सभी के सामने रखें। उन्होंने कहा कि अपने विचारों को सकारात्मक बनायें और वाणी को सरल बनायें। भोजन का मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है इसीलिए प्रभु को प्रसाद लगाकर भोजन को स्वीकार करें, तो वह भोजन प्रसाद बन जाता है जो मन और तन को स्वस्थ रखता है और सभी को विश्व बंधुत्व की भावना को लेकर संगठन और मिलकर रहने की अपील की। जीवन में सहन करने की, समाने की, परखने की, निर्णय करने की, सामना करने की शक्ति हो तो हर परिस्थिति में सहज ही परिवर्तन कर सकेंगे। इसके पश्चात कुमारी तृप्ति ने नृत्य के माध्यम से शिव महिमा की प्रस्तुति की। अंत में ईश्वरीय सौगात दी और प्रसाद वितरण करके कार्यक्रम को संपन्न किया गया।

सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को श्रद्धांजली अर्पित की

शिव आमंत्रण, इंदौर मप्र। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के यातायात एवं परिवहन प्रभाग के द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की स्मृति में बीके ओमप्रकाश भाईजी सभागार ज्ञानशिखर ओमशान्ति भवन में विश्व यादगार दिवस मनाया। जिसमें 'सुरक्षित यात्रा के लिए सावधानियां' विषय पर मुख्य अतिथि के रुप में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वरुण कपूर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सुरक्षित यातायात के लिए नियमों के प्रति जागरुकता लाने के लिये दीर्घकालीन निरन्तर प्रशिक्षण देकर वाहन चालकों की मानसिकता में बदलाव लाया जा सकता है। यातायात प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए ट्रेफिक पुलिस के साथ-साथ आमजन को भी जागरुक होना आवश्यक है। शुभ भावना से प्रार्थना करने से वायुमण्डल में उर्जायुक्त तरंगे प्रवाहित होती है जो व्यक्ति और वातावरण को शक्तिशाली बनाते हैं। इस अवसर पर इंदौर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि ट्रेफिक नियमों का ज्ञान होते हुए भी उसे आचरण में लाने में लापरवाह होने से सड़क दुर्घटनायें बढ़ रही है। इसे सुरक्षित बनाने के लिए सजगता और संवेदनशीलता को अपनाने की आवश्यकता है। आपने इंदौर की जनता से आग्रह किया कि जैसे स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर शहर को लगातार 5वीं बार नम्बरवन का खिताब दिलवाया है ऐसे ही ट्रेफिक व्यवस्था को भी दुर्घटना रहित बनाने में इंदौर के नागरिक जागरुक हो नम्बरवन का खिताब दिलवायें। इंदौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि जल्दीबाजी काम्पिटीशन और सुरक्षा के नियमों को टालने की प्रवृत्ति से दुर्घटनाओं का शिकार होकर स्वयं की जान गवां बैठते हैं अतः दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आध्यात्मिक अनुशासन अर्थात् मन पर नियंत्रण रखना, मन को शांतचित्त रखना, तनावमुक्त, व्यसन मुक्त रखना बहुत जरुरी है। आपने मन को शांत और एकाग्र रखने के लिए प्रतिदिन मेडिटेशन करने एवं जीवन यात्रा में परमात्मा पिता को अपना साथी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर ए.आर.टी.ओ. राजेश गुप्ता ने कहा कि यदि वाहन चालक गति सीमा के अनुसार धैर्यवत् होकर वाहन चलाये तो दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। प्रेमनगर क्षेत्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी शशी बहन ने ट्रेफिक नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा कराई।

- इंदौर शहर को ट्रेफिक व्यवस्था में नंबरवन बनाने के संकल्प से मनाया विश्व यादगार दिवस

ओमशान्ति भवन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा बहन ने राजयोग कामेन्ट्री द्वारा सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति एवं परिजनों को मानसिक संबल देने के लिये विशेष योगा अभ्यास कराया। सभी ने भावपूर्ण गीतों के साथ दुर्घटनाओं में मृतक आत्माओं को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजली दी एवं सभी ने इंदौर शहर को टेऊफिक व्यवस्था में नम्बरवन बनाने का संकल्प लिया। संचालन ब्रह्माकुमारी अनिता बहन ने किया।

आंतरिक सशक्तिकरण | देश की सुरक्षा बलों का आंतरिक सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रिय अभियान का शुभारंभ हुआ

आंतरिक शक्तियों के विकास से हम सभी तरह की बाह्य परिस्थितियों पर विजय पा सकते हैं

- भौतिक व इन्द्रिय भोग की गुलामी से आजादी ही सच्ची स्वतंत्रता है" -प्रदीप दे, आईपीएस

दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल एस एन घोरमडे एवं अन्य।

शिव आमंत्रण, न्यू दिल्ली। भारत आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, बीके संस्था की सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा देश की सुरक्षा बलों के लिए 'आत्म-सशक्तिकरण से राष्ट्र-सशक्तिकरण' विषय पर एक वर्षीय राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ हुआ। सुरक्षा कर्मियों को चिंता, अशांति, तनाव व समस्त नकारात्मकता से दूर रखने, तथा उनमें राजयोग मेडिटेशन द्वारा सकारात्मक चिंतन, आशावादी दृष्टिकोण, तनाव प्रबंधन व आंतरिक सशक्तिकरण लाने की लक्ष्य को लिए हुए यह अभियान का शुभारंभ संस्था के स्थानीय हरी नगर राजयोग केन्द्र पर एक सार्वजानिक कार्यक्रम में किया गया। भारतीय नौ सेना के वाइस चीफ, वाइस एडमिरल एस एन घोरमडे ने झंडा दिखा कर इस अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा की देश को शक्तिशाली बनाना है, तो हर एक नागरिक को शक्तिशाली बनना होगा। क्योंकि शक्तिशाली स्व स्थिति से ही प्रतिकूल परिस्थितियों के ऊपर विजय प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा, व्यक्ति की आंतरिक सशक्तिकरण से ही देश की सशक्तिकरण व विकास संभव है। 'ख़ास कर देश की सुरक्षा बलों का भौतिक, नैतिक, सामरिक व आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही देश की शांति, सुरक्षा, समृद्धि स्वतंत्रता व अखंडता कायम रह सकता है'। उन्होंने अपनी पिछले दस सालों का ब्रह्मा कुमारी संस्था के राजयोग ध्यान अभ्यास का अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यह राजयोग मेडिटेशन लोगों में, ख़ास कर सुरक्षा कर्मियों में शांति, संतुलन सुस्वास्थ्य, सकारात्मकता, आंतरिक शक्ति व कार्य कुशलता विकसित करने की कारगर माध्यम है।

कैदियों के सुधार के लिए राजयोग मेडिटेशन कैंप

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र। बंदीगृह में बीके किशोरसागर ने कैदियों के सुधार के लिए राजयोग मेडिटेशन कैम्प लगाया। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज ने ना केवल कैदियों से नशे की आदत छोड़ने की अपील की बल्कि कैदियों को यह भी सिखाया कि कैसे वो परमात्मा से जुड़कर अपनी आदतों में बदलाव कर सकते है। बीके रमा ने कैदियों से कहा जो हुआ सो हुआ.. लेकिन अब से वो अपने जीवन में परिवर्तन करने की प्रतिज्ञा करें। ब्रह्माकुमारी बहनों ने इस दौरान कैदियों को आध्यात्मिक किताबें दी और प्रसाद भी बांटा। सभी कैदियों ने ब्रह्माकुमारिज़ के उनके लिए किए गए इस प्रयास की सराहना की। कैम्प में जेलर रामशिरोमणी सहित 450 कैदियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर बीके कलप्ना, बीके मोहिनी, और बीके धीरज भी मौजूद रहे।

इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने सीखा राजयोग

शिव आमंत्रण, भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के राजयोग भवन में राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल जोन निदेशिका राजयोगिनी अवधेश दीदी ने बताया कि राजयोग से मन की शक्ति बढ़ती है जिससे कठिन से कठिन एग्जाम भी 'फेस किये जा सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाये गए राजयोग मेडिटेशन के द्वारा लाखों मनुष्य आत्माओं ने असंभव को संभव कर दिखाया है। परीक्षा की तैयारी में राजयोग मेडिटेशन बहुत मदद करता है। बीके अवधेश बहन जी ने मेडिटेशन शिविर में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को मन को एकाग्र करने के टिप्स दिए।

चार स्कूलों के 400 बच्चों को किया मोटिवेट, सफलता के बताए मंत्र

शिव आमंत्रण, मंडीबामोरा (बीना) मप्र। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मंडीबामोरा सेवाकेंद्र द्वारा विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र बताने के लिए साप्ताहिक कैंपेन चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को याददाश्त बढ़ाने, स्वस्थ रहने, जीवन में सफलता पाने, परीक्षा में अच्छे अंक लाने, नैतिक मूल्य, आध्यात्मिक शिक्षा का महत्व और राजयोग मेडिटेशन आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही एक्सरसाइज के माध्यम से स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गए। कैंपेन के तहत नगर के शासकीय माध्यमिक बालक शाला, शास. माध्यमिक बालिका शाला, शास. उच्चतर माध्यमिक हायर सेकंडरी स्कूल और कुरवाई जिला विदिशा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर हायर सेकंडरी स्कूल में एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की गई।

वर्कशॉप से निराश, हताश बच्चों को नई प्रेरणा मिली। साथ ही उन्हें परीक्षा में अच्छे अंक लाने केलिए

कुरवाई के हायर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए सफलता के मंत्र बताते हुए बीके जानकी।

मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी जानकी दीदी ने बच्चों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि सुबह रोजाना ओम ध्वनि करने से हमारी याददाश्त बढ़ती है। इससे ममाइंड के ब्लॉकेज खुलते हैं और कार्यक्षमता बढ़ती है। ओम ध्वनि से एकाग्रता की शक्ति का विकास होता है। मन को सुकून और शांति की अनुभूति होती है और जब हम शांत मन और एकाग्रता से कोई

मंडीबामोरा (बीना) सेवाकेंद्र की ओर से शासकीय स्कूलों में चलाया गया कैंपेन

भी कार्य करते हैं तो सफलता निश्चित है। हमारे आसपास का ओरा (सुरक्षा चक्र) भी पॉजिटिव बनता है, विचारों में रचनात्मकता आती है। मोटिवेशनल लेखक और शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक बीके पुष्पेंद्र ने कहा कि आज से रोज सुबह उठने के बाद और रात को सोने के पहले संकल्प करें... मैं बहुत बुद्धिमान हूं....मैं बहुत भाग्यशाली हूं....मेरे सिर पर सदा मेरे इष्ट देव का वरदानी हाथ है..मेरे माता-पिता और गुरुजन बहुत अच्छे हैं...पढ़ाई मेरे लिए है, किताबें मेरी मित्र हैं। बीके रिया ने कहा स्कूल खुश होकर और खुशी- खुशी आएं। सदा मुस्कुराते रहें। खुश रहते हैं तो इससे मन की पावर बढ़ती है। खुश होकर कार्य करने से वह कार्य जल्दी हो जाता है और थकान भी नहीं होती है।

आईटी विंग सदस्यों के लिए राजयोग भट्ठी का आयोजन

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम। कोविड युग के दौरान लंबे अंतराल के बाद आरईआरएफ के उत्तरी भारत आईटी विंग ने 2.5 दिन लंबे आवासीय का आयोजन किया था 19-21 नवंबर 2021 तक ओम शांति रिट्रीट सेंटर, दिल्ली में विंग के आजीवन सदस्यों के लिए ज्वालामुखी योग भट्ठी का आयोजन हुआ। भट्ठी में देश के सभी हिस्सों से लगभग 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भट्ठी एक अनूठा अवसर था जिसने आईटी पेशे से ब्राह्मणों को एक साथ खुद पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक साथ लाया, जो समय की आवश्यकता है। 2.5 दिन इंटरैक्टिव कक्षाओं, कार्यशाला, पैनल चर्चा और सबसे महत्वपूर्ण- ज्वालामुखी योग अभ्यास से भरे हुए थे। भट्ठी का औपचारिक उद्घाटन युगांडा उच्चायोग के कार्यवाहक राजदूत महामहिम केजेला मोहम्मद और युगांडा उच्चायोग के शिक्षा अताशे श्री बी बेकर ने किया। दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे आईटी पेशेवर दुनिया का चेहरा बदल रहे हैं, एक क्लिक पर दुनिया तक पहुंच बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आईटी के अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन अगर इसका इस्तेमाल लोगों को जोड़ने के लिए किया जाता है, बजाय गैजेट्स में अधिक लिप्त होने के कारण उन्हें अलग-थलग करने के लिए, तो यह दुनिया के लिए एक वरदान है।

योग भट्ठी के पश्चात् ग्रुप फोटो में सभी बीके भाई-बहनें।

बीके रामा, दिल्ली जोन आईटी विंग के समन्वयक ने भट्ठी का संदर्भ दिया और बीके संजीव, उत्तरी भारत आईटी विंग समन्वयक ने विंग द्वारा की गई सेवाओं और परियोजनाओं की रिपोर्ट साझा की।

नशा मुक्ति अभियान में कैरियर एकेडमी कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों ने लिया भाग

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र। मेरा रीवा नशा मुक्त रीवा एडवांस कैरियर अकैडमी कोचिंग सेंटर रामगोविन्द पैलेस में विशेष रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कोचिंग संस्थान के युवा प्रतिभागियों (छात्र-छात्राओं को) को उनके प्रशिक्षकों को पूरी टीम को स्वस्थ जीवन शैली, नशा मुक्त जीवन और सफलता हेतु मेडिटेशन के विषय में व्यावहारिक रूप से अभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एकेडमी के डायरेक्टर आदरणीय डॉक्टर दिलीप दीपांकर, सुश्री मानसून चमड़िया, डॉक्टर सरोज सोनी, डॉ. विकास श्रीवास्तव, सविता वर्मा, विकास मिश्रा,श्रुति कीर्ति मिश्रा, मुकेश पाठक,प्रकाश मिश्रा उपस्थित रहे। जबकि ब्रह्माकुमारीज संस्थान रीवा की ओर से नशा मुक्त जीवन और मेडिटेशन के प्रशिक्षण के लिए बीके पूर्णिमा बहन, बीके पीयूष भाई,बीके सत्येंद्र भाई उपस्थित रहे।

शाश्वत यौगिक खेती करने के लिए किया प्रेरित

शिव आमंत्रण, चुनार उप्र। चुनार सेवाकेंद्र के बीके भाई बहनें एवं बीके पाठशाला (पड़री) में गांवों के कुछ भाई-बहनों एवं ग्राम प्रधानों से विश्व मृदा दिवस के दिन पेड़ पौधों को लगा कर गोबर एवं जैविक खाद डाला गया और शिव बाबा का झंडा लगा कर योग किया गया। बिना रासायनिक खाद के कुछ मटर के बीज भी लगाया गया है। जिसमें सिर्फ जैविक यौगिक खेती से फसल तैयार किया जायेगा।

इस मौके पर पड़री गांव के प्रधान रामदेव सरोज, एवं साथ में अमित ओझा जी (विश्व हिन्दू परिषद) के सदस्य, बीके बीनू (सेन्टर इंचार्ज), बीके सुनीता, बीके तारा एवं गांव के भाई-बहनें इत्यादि उपस्थित थे। सेन्टर चुनार में डाक्टर रीति सिंह, डाक्टर प्रियंका सिंह, डाक्टर जीतेन्द्र सिंह और बी.के. भाई बहनें ने पेड़ पौधों में आर्गेनिक जैविक खाद डालते हुए एवं विश्व मृदा दिवस पर सपथ लिए की लोगों को जैविक यौगिक खेती करने कि प्रेरणा दी जाएगी। हम सब भाई-बहनों की यही शुभभावना एवं शुभकामना है कि धरती माता शुद्ध पवित्र बने और विश्व के भाई बहनें सदा स्वस्थ रहें और जल्दी से जल्दी नई दुनिया स्वर्ग का आगमन हो।

सुखी जीवन] मेडिटेशन से बनायें अपने विचारों को श्रेष्ठ........

श्रेष्ठ विचार ही सुखी जीवन का आधार है

सूरज भाई ने सभी को शान्ति का गहन अनुभव भी कराया।

» शिव आमंत्रण, वर्धा महाराष्ट्र। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय वर्धा सेवाकेंद्र द्वारा 'सुखी जीवन का आधार- श्रेष्ठ विचार ' इस विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में माउंट आबू से आये हुए मोटिवेशनल स्पीकर बीके सूरज भाई तथा बीके गीता बहन थे। सभा में उपस्थित सभी श्रोताओं को मार्गदर्शन करते हुवे सूरज भाई ने कहा कि मानव जीवन एक अनमोल उपहार है। सफलता पूर्वक सुख - शांति से जीवन जीना भी एक कला है। आज चारों ओर अशांति, दुःख, भय, चिंता का माहौल है। ऐसे में हर कोई सुख, शांति, खुशी से जीवन जीने की कला सीखना चाहता है। जीवन को सुखमय बनाने के लिए हमें सबसे पहले अपने विचारों को स्वच्छ, श्रेष्ठ बनाना है और इसमें मेडिटेशन का बहुत बड़ा योगदान है। मेडिटेशन द्वारा हम नकारात्मक विचारों के ऊपर विजय प्राप्त कर सकते है। मार्ग दर्शन के साथ-साथ सूरज भाई ने सभी को शान्ति का गहन अनुभव भी कराया। गीता बहन ने नकारात्मक विचारों को हम अपने सकारात्मक बायब्रेशन के द्वारा कैसे दूर करें और इसमें राजयोग मेडिटेशन की क्या मुख्य भूमिका है इसके ऊपर प्रकाश डाला। वर्धा सेवाकेंद्र संचालिका बीके माधुरी मेडिटेशन का महत्व बताते हुए सभी का शब्दों से स्वागत किया। श्रीमती सरिता गाखरे, अध्यक्ष जिला परिषद वर्धा इन्होंने सकारात्मक और रचनात्मक जीवन पद्धति के ऊपर मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में वर्धा शहर के गणमान्य व्यक्ति जिला परिषद अध्यक्षा सरिता गाखरे, शालिग्राम टिबड़ेवाल, योगेंद्र फत्तेपुरिया, सूर्यकुमार गांधी, गौरीशंकर टिबड़ेवाल, जगदीश पोद्दार, सुधीर भाई पांगु, अनिल भाई नरेडी, समीर शेंडे, डॉ. महोदया सर, शैलेश बत्रा, गोपाल चौबे, मुकुंद भाई चौबे, तुलसी भाई आडवाणी, वर्धा सेवाकेंद्र संचालिका बीके माधुरी बहन, बीके मधु, बीके अपर्णा बहन इत्यादि उपस्थित थे। इनके सभी के हस्तों द्वारा दीप प्रज्वलन हुआ। वर्धा शहर के सभी विविध सामाजिक संघटना तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सूरज भाई को शॉल, श्रीफल और मोमेंटो देकर सत्कार किया गया।

उद्घाटन समारोह में शामिल अतिथिगण।

सरल स्वाभाव सहज जीवन का आधार

सत्य शोधन आश्रम में बच्चों के "चरित्र निर्माण हेतु कार्यक्रम किया।

» शिव आमंत्रण, छतरपुर (म.प्र.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय विश्वनाथ कॉलोनी छतरपुर की ओर से सत्य शोधन आश्रम में बेड़िया एवं घुमन्तू जाति के बच्चों के चरित्र निर्माण हेतु एक उत्साहवर्धक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वनाथ कॉलोनी छतरपुर प्रभारी बी.के.रमा ने बच्चों को रोचक कहानियों एवं उदाहरणों के द्वारा समझाया कि ' हमारे मुंह में दांत और जीभ दोनों होते हैं। जीभ मनुष्य के जन्म से होती है और दांत जन्म के बाद आते है, फिर भी जीभ अंत तक हमारा साथ देती है और दांत पहले ही टूट जाते हैं। उन्होनें बताया कि जीभ नरम और लचीली होती है जबकि दांत कड़े एवं अकड़े होते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि जीभ की तरह नरम और लचीलापन हमारे जीवन में होगा तो हम हर परिस्थिति में ढल जायेगें और जीवन का आन्नद ले सकेंगें, अगर दांत कि तरह अकड़े और कड़क रहे तो किसी भी परिस्थिति में टूट जायेगें। इसलिए अपना स्वाभाव हमेशा सरल बनाकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित बीके मोहिनी बहन ने अनेक प्रकार की एक्टीविटीज़ के माध्यम से नैतिकता एवं मूल्यों का पाठ पढ़ाया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और उसमें काफी उत्साह नजर आया। इस अवसर पर सत्य शोधन आश्रम संचालक भ्राता देवेन्द्र भण्डारी, जिला बेसवाल सचिव मान सिंह भी थे।

परमात्मा की याद से शुरुआत करें तो निश्चित सफल होंगे

» शिव आमंत्रण, हरपालपुर (म.प्र.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय हरपालपुर सेवाकेन्द्र द्वारा मीडिया वर्ग के लिए स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें हरपालपुर नगर के सभी सम्मानीय पत्रकार भाई बंधुओं को आमंत्रित किया गया। नौगांव सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके नन्दा ने ब्रह्माकुमारीज संस्था का उद्देश्य बताया। बीके पूनम ने ''मीडिया श्रेष्ठ समाज का नव निर्माण करने के लिए मुख्य भूमिका निभाता है, इस विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सामाजिक जिम्मेदारियों पर मीडिया की भूमिका के बारे में जितना कहा जाये उतना कम है। बी.के.आशा बहन ने राजयोग कॉमेन्ट्री के द्वारा सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। इस मौके पर छतरपुर भ्रमण से कुलदीप वर्मा, नई दुनिया से पुष्पेंद्र पायक, दैनिक भास्कर से संजय तिवारी, शुभ भारत से संजीव शुक्ला , ब्यूरो चीफ न्यूज़ लाइव 100, सत्ता सुधार से डीके कुश्वाहा, दैनिक जागरण से दीपू सोनी, ब्यूरो चीफदैनिक अमर स्तंभ से शिवम सोनी, चैनल डीएनएन से महेंद्र विश्वकर्मा, दिनेश दीक्षित, शिवम साहू, रिंकू, वरिष्ठ डॉ कलाम अंसारी, वृहत सहकारी समिति अध्यक्ष बलवान सिंह बुन्देला।

दीप प्रज्वलन करते हुए अतिथिगण।

खबर, एक नज़र

आबू आने का दिया निमंत्रण

» शिव आमंत्रण, मुंबई घाटकोपर। घाटकोपर योग भवन पर पधारे प्रसिद्ध वकील अबाद पोंडा से बीके शाकू ने आध्यात्म और महिला सशक्तिकरण पर बातचीत की। साथ ही उन्हें माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस दौरान पोंडा ने राजयोग मेडिटेशन सीखने की इच्छा जाहिर की।

न्यायधीश को सौगात देकर किया स्वागत

» शिव आमंत्रण, कटनी/मप्र । सेवा केंद्र पर अतिरिक्त न्यायधीश सुश्री श्वेता गोयल को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके लक्ष्मी बहन कटनी सिविल लाइन सेंटर पर।

जेल कैदियों को मिला ईश्वरीय संदेश

» शिव आमंत्रण, निवारी/मप्र । ये जेल नहीं सुधार गृह है बीके उमा ने सदा शुभ चिंतन करने का कैदियों को संकल्प दिलाया। अच्छाइयों को धारण कर सभी के लिए अच्छा सोचेगें। पूर्व तेहरका सरपंच दिलीप सिंग दांगी में निवारी जेल में रहने के दौरान बहनों के द्वारा दिए गए ज्ञान से हुए परिवर्तन का अनुभव सभी कैदी भाइयों को सुनाया।

शिवशंकर की झांकी से दिया ईश्वरीय संदेश

» शिव आमंत्रण, सागर, मप्र। खेल परिसर सागर में लगे अतुल्य भास्कर मेले में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित शिव शंकर की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके छाया के नेतृत्व में हजारों लोगों को ईश्वरीय संदेश दिया और व्यसनमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा मिली। मेले में कई लोगों ने नशा छोड़ने का संकल्प लिया।

समय, संकल्प और शक्ति की बचत-योजना बनाकर कार्य करो!

सामाजिक परिवर्तन] आध्यात्मिकता द्वारा सामाजिक परिवर्तन

ब्रह्माकुमारीज़ ने भारतीय संस्कृति को बचाए रखने के लिए सार्थक सहयोग दिया है: राज्यपाल

कार्यक्रम में शामिल पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल एवं अन्य बीके भाई-बहनें।

- परमात्मा की संतान होने के नाते से अपने और दूसरे को आत्मिक स्थिति में देखना।
- चन्द्रमा जैसा शांत स्वाभाव, मुख पर सूर्य के सामान तेज

शिव आमंत्रण, चंडीगढ़ । टैगोर थिएटर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा संस्था के पंजाब जोन के पूर्व डायरेक्टर राजयोगी अमीरचंद भाई की प्रथम पुण्यतिथि पर आध्यात्मिकता द्वारा सामाजिक परिवर्तन विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को धर्म रुपी वृक्ष कि जड़ बताया जिनकी मानवता के प्रति अथक सेवाओं ने भारतीय संस्कृति को बचाये रखने और उसको आगे बढ़ाने के लिए सार्थक सहयोग दिया है। मैं इस संस्था कि सेवाओं से अभिभूत हूँ और आज का यह गरिमामय कार्यक्रम ये दर्शाता है कि हमारी संस्कृति धर्म पर आधारित है। उन्होंने कहा की हमें परमात्मा की संतान होने के नाते से अपने और दूसरे को आत्मिक स्थिति में देखना होगा केवल लौकिक या भौतिक नहीं। देह अभिमान पाप का मूल है और आत्मिक स्थिति पुण्य का मूल है। इस दौरान बीके बहनों ने अमीरचंद भाई का जीवन परिचय बताते हुए कह कि भ्राता जी मात्र 19 वर्ष की आयु में संस्था के संपर्क में आये और बहनों के सादे सात्विक जीवन व उत्तम कार्यशैली से प्रभावित होकर विभिन्न कार्यों में संस्था के मददगार बने। ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाओं का ही प्रभाव था कि 1982 में हरियाणा सरकार की उच्च स्तरीय नौकरी से स्वेच्छा से सेवानिवृति लेकर उन्होंने अपना शेष जीवन संस्था के साथ मानवता के प्रति समर्पित कर दिया। शायद उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य मिल गया था। वे 60 से भी ज्यादा वर्ष संस्था के साथ जुड़े रहे और भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी समाज के उत्थान के प्रति उन्होंने सराहनीय सेवाएं दी। चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा और उत्तराखंड उनकी मुख्य कर्मभूमि रही जहां आज संस्था के करीब 400 सेण्टर कार्यरत हैं। गतवर्ष 28 नवंबर 2020 में उन्होंने अपनी जीवन यात्रा पूर्ण करते हुए शिवबाबा की गोद ली। उस समय वे संस्था के साथ पंजाब जोन के डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा सोनीपत रिट्रीट सेंटर के डायरेक्टर, सोशल सर्विस विंग के चेयरपर्सन और मैनेजमेंट कमेटी के मेंबर भी थे। बीके जयगोपाल लूथरा भाई ने गीत से श्रद्धांजलि दी। ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, जस्टिस दया चौधरी, बीके प्रेम, बीके उत्तरा दीदी ने भ्राता अमीरचंद जी का स्मरण करते हुए उनके प्रयासों कि सराहना की और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

ध्यान से शुभ भावनाओं और शांति की शक्ति का महत्व बताया

शिव आमंत्रण, नीलबड़, भोपाल मप्र। ब्रह्माकुमारीज़, सुख शांति भवन, नीलबड़, भोपाल द्वारा पीस वीक नामक साप्ताहिक पहल शुरू की गई जिसके अंतर्गत भोपाल गैस त्रासदी से पीड़ित तथा दिवंगत मनुष्य आत्माओं को एवं पीड़ित परिवारों को शांति का दान दिया जा रहा है एवं ध्यान के माध्यम से शुभ भावनाओं तथा शांति की शक्ति का महत्व समझाया जा रहा है। पहला कार्यक्रम भोपाल एयरपोर्ट में आयोजित हुआ जिसमें एयरपोर्ट प्रमुख श्री के. एल. अग्रवाल, श्रीमती ऋचा अग्रवाल (प्रेसिडेंट, कल्याणमई संस्था) के साथ अन्य सभी अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे। संस्था की ओर से कार्यक्रम में बीके साक्षी दीदी बीके राम भाई एवं बी के डॉ प्रियंका दीदी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन एयरपोर्ट ऑफिसर श्रीमती महिमा द्वारा किया गया। दूसरे कार्यक्रम का आयोजन सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में किया गया जहां यूनिवर्सिटी की चांसलर श्रीमती प्रीति सलूजा सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। संस्था की ओर से कार्यक्रम में बीके हेमा दीदी, बीके डॉ. देवयानी दीदी एवं बीके डॉ. दिलीप नालगे उपस्थित हुए। दोनों ही कार्यक्रमों की शुरुआत गैस त्रासदी से जुड़ी जानकारी से हुई, साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का परिचय दिया गया। तत्पश्चात राजयोग ध्यान द्वारा शांति का दान देने की विधि को रेखांकित किया गया।

- सभी उपस्थित श्रोताओं ने कार्यक्रम का लाभ लिया एवं शांति की अनुभूति की।

बुराईयों की कालिमा दूर कर बनाएं श्रेष्ठ जीवन: बीके सुरेंद्र

- परमात्म ज्ञान और राजयोग जीवन परिवर्तन का आधार - डीसीपी एके सिंह

शिव आमंत्रण, सारनाथ/वाराणसी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के क्षेत्रीय मुख्यालय ग्लोबल लाईट हाउस में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास पुर्वक मनाया गया। डीसीपी लॉ एण्ड आर्डर एके सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक बीके दीपेंद्र, आजमगढ़ की जिला उधान अधिकारी ममता यादव, रमेश सिंह के साथ अनेक विशिष्टजनों की सहभागिता में आयोजित दीपावली महोत्सव में संस्था की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके सुरेंद्र दीदी ने श्रद्धालुओं को दीपावली के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दीदी ने कहा कि अंतर्मन से बुराईयों की कालिमा को दूर करना ही दीपावली का यथार्थ संदेश है। हमें दीपमाला का त्यौहार बाहरी दीप प्रज्वलन के साथ मन में दीप प्रज्वलित कर मनाना होगा। काम, क्रोध, लोभ, नफरत, भ्रष्टाचार आदि बुराईयां मन की कलुषितता का ही परिणाम है। वाराणसी के डीसीपी लॉ एण्ड आर्डर एके सिंह ने कहा कि अपने अंर्तमन को दिव्यता और सद्ज्ञान से भरपूर करना ही सच्ची दी पावली है। उन्होंने कहा कि परमात्म ज्ञान और राजयोग का अभ्यास जीवन में अद्भुत परिवर्तन लाता है। मन की शांति, संतुलन और आपसी स्नेह, सद्भाव पूर्ण भावनाओं को जागृत करने में राजयोग की भूमिका अप्रतिम है।

ग्लोबल लाईट हाउस में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाते विशिष्ट जन।

खबरें, फटाफट

एजुकेशन विंग मेंबर्स के लिए पॉवर ऑफ साइलेंस भट्ठी

शिव आमंत्रण , गुरुग्राम हरियाणा। ओम शांति रिट्रीट सेन्टर में शिक्षा प्रभाग के भाई-बहनों के लिए पहली बार पॉवर ऑफसाइलेंस विषय पर भट्ठी का आयोजन हुआ। भट्ठी का उद्घाटन ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी एवं राजयोगिनी शुक्ला दीदी सहित राजयोगिनी विजय दीदी, राजयोगिनी सुदेश दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षा प्रभाग के चेयरपर्सन राजयोगी मृत्युंजय भाई ने एकाग्रता और एकांत वासी स्थिति विषय पर क्लास कराया। मधुबन बेहद घर से आदरणीय राजयोगी बृजमोहन भाई का शांति की शक्ति विषय पर क्लास हुआ जिसमें उन्होंने विशेष अपनी स्थिति को शक्तिशाली बनाने पर ध्यान खिंचवाया।

दूसरों को दु:ख देकर कोई सुख नहीं पा सकता: बीके कंचन

कथा प्रवचन करते हुए बीके कंचन एवं देवी-देवता बने बच्चे।

शिव आमंत्रण, बेगूसराय/बिहार। भागवत कथा का उद्देश्य ज्ञान से जुड़े रहने का है। विवेकशील व्यक्ति का निर्णय ठोस होता है। व्यक्ति अपने जीवन में संकल्प को नहीं समझता है। संकल्प की सिद्धि के लिए व्यक्ति को कटिबद्ध होना चाहिए। ये बातें सदर प्रखंड के रजौड़ा गांव में आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के पांचवें दिन गुरुवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बेगूसराय की संचालिका कंचन बहन ने कहीं।

स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर सेवाकेंद्र पर वार्षिकोत्सव मनाया

शिव आमंत्रण, आरा/बिहार। ब्रह्माकुमारीज संस्था के आरा सेवाकेंद्र की स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर सेवाकेंद्र के सभागार में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें तरारी के विधायक सुदामा प्रसाद और बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस वार्षिकोत्सव में शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ संस्था से जुड़े भाई-बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। इसके साथ ही पटना सबजोन की संचालिका ब्रह्माकुमारी रूक्मणि दीदी ने फोन पर शुभकामना दी और कहा कि आरा क्षेत्र के लोगों को जल्द से जल्द परमात्मा का संदेश मिले और वह भी परमात्मा के कार्य में सहभागी बन सकें।

‘खुशी का आधार गुणग्राहक दृष्टिकोण’ कार्यक्रम में 40 जवानों ने लिया भाग

कार्यक्रम के पश्चात ग्रुप फोटो में बीके बहनों के साथ जवान

- जीवन को खुशनुमा बनाने के लिए मूल्य आधारित जीवन जीना आवश्यक है।
- कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु स्मृति से की गई।

शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र.)। आज बदलते जमाने के साथ लोगों के विचारों में भी बदलाव आ गया है। जब हम सुबह उठते है तो सबसे पहले अपने मोबाइल में व्हाट्सएप चेक करते है और उसमें सबको गुड मार्निंग का मैसेज भेजते है, लेकिन यदि गुड मार्निंग का उत्तर नहीं मिलता तो बेड गुड मार्निंग हो जाती है। इसलिए सभी को सबसे पहले उठकर परमपिता परमात्मा उस सर्वोच्च सत्ता को गुड मार्निंग करना चाहिए जिसने हमें एक नई सुबह दी है, यह जीवन प्रदान किया है। उक्त उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के जवानों के लिए आयोजित कार्यक्रम में बीके कल्पना बहन द्वारा व्यक्त किये गये। कार्यक्रम में उपस्थित बीके रमा ने जीवन में मूल्यों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ‘‘जीवन को खुशनुमा बनाने के लिए मूल्य आधारित जीवन जीना आवश्यक है।‘‘कार्यक्रम की शुरूआत प्रभु स्मृति से की गई। उसके पश्चात् बीके रीना ने बताया कि ‘‘खुशी हमारी अंतर चेतना में समाई हुई है इसलिए खुशी प्राप्त करने के लिए हमें समय निकाल कर स्वयं से मुलाकात करना चाहिए ताकि हम उस खुशी को अंदर से जाग्रत कर सकें। साथ ही बहनों द्वारा विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज़ कराके खुशनुमा रहने के टिप्स बताए गए। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगााार्ड भ्राता करन सिंह, प्लाटून कमांडर भ्राता संजय गौर सहित 40 जवानों ने भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आन्नद उठाया। कार्यक्रम के अंत में सभी को ईश्वरीय प्रसाद एवं ईश्वरीय साहित्य भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय मृदा दिवस: तालाब स्वच्छ बनाने लोगों को किया जागरूक

शिव आमंत्रण, रीवा म. प्र.। पर्यावरण शुद्धि, स्वच्छता और मिट्टी की स्वच्छता बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय रीवा के भाई-बहनों ने जेलुका तालाब की स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और मिट्टी की शुद्धता, पर्यावरण को पवित्र बनाने हेतु सेवा कार्य में पूरा पूरा सहयोग दिया।

इस अभियान में, नगर निरीक्षक श्री विद्या बारिधी तिवारी (पुलिस विभाग) वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश मिश्रा (अध्यक्ष सेवा संकल्प), अध्यक्ष नशा मुक्ति अभियान के अध्यक्ष सुजीत द्विवेदी, जय महाकाल संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र द्विवेदी, ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बीके प्रकाश भाई, बीके दीपक तिवारी,बीके विभा बहन, बीके हरषु, बीके संजू बहन, बीके भारती बहन, बीके शशि बहन, बीके क्षात्रा बहन, बीके भारती त्रिपाठी बहन, बीके सुभाष भाई, बीके आरबी पटेल सहित अनेक समाजसेवियों ने भाग लिया। इस दौरान सभी ने तालाब स्वच्छ बनाने के लिए लोगों को जागरूक किया।

महोत्सव | इंदौर के दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की कन्याओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी

इंदौर की कन्याओं ने प्रस्तुतियों ने दिखाई प्रतिभा

इंदौर छात्रावास की कन्याओं के साथ इंदौर जोन की वरिष्ठ बहनें व प्रस्तुति देतीं दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की छात्राएं।

शिव आमंत्रण, शांतिवन आबू रोड। दिव्य जीवन कन्या छात्रावास इंदौर से आयी नन्हीं बालिकाओं ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के डायमंड हॉल में मल्लखंभ का जब प्रदर्शन हुआ तो पूरा हॉल सन्नाटे और आश्चर्य के माहौल में तब्दील हो गया। मल्लखंभ तो सामान्य तौर पर पुरूषों का खेल है कि लेकिन नारी शक्ति की पौध ने इसे झुठला दिया। इसके साथ ही उन्होंने देशी से लेकर पाश्चात्य संस्कृति तक के नृत्य प्रस्तुत किये। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा संचालित दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की कन्याओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी।

कोरोना काल में चिकित्सकों का महत्वपूर्ण रोल राधा-कृष्ण की प्रस्तुतियां लोगों की मन मोह लेने वाली थी। कभी हंसी तो कभी गम वाले मंचन से पूरा हॉल स्तब्ध हो उठा। परमात्मा शिव के अवतरण ब्रह्माकुमारीज संस्थान की स्थापना स्थापना के दौर में संघर्ष की कहानी और अन्य प्रस्तुतियों ने सबको भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर इंदौर जोन की निदेशिका बीके कमला, बीके हेमलता, बीके अनिता, बीके शकुंतला, बीके करूणा बहन समेत कई लोग उपस्थित थे।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

परीक्षा में भावनात्मक सहारा संजीवनी बूटी के समान

शिव आमंत्रण। जीवन का कोई भी दौर हो हम सभी को किसी न किसी रूप में परीक्षा से गुजरना होता है। जीवन में हर सुबह एक नई चुनौती लेकर आती है। जब हम उस चुनौती को स्वीकार कर पास हो जाते हैं तो उसका अपना ही सुकून और आनंद होता है। फिर अगली सुबह के लिए तैयार हो जाते हैं। जब सारा दिन कोई काम सफल न हो तो उदासी सी छा जाती है। ऐसे समय में जब कोई हमारा परिचित या परिजन के मुख से निकले उत्साह के चंद शब्द... कोई बात नहीं यार, आज नहीं हुआ तो क्या कल हो जाएगा। खुश रहो, ये तो छोटी सी बात है.., हम हैं ना..., चिंता मत करो..., मैं हर पल तुम्हारे साथ हूं... मन में नई ऊर्जा भर देते हैं। साथ ही सारी चिंता दूर हो जाती है। जीवन के प्रत्येक मोड़ पर सभी को कहीं न कहीं भावनात्मक सहारे की जरूरत पड़ती है। बच्चों की बात करें तो उन्हें सबसे ज्यादा भावनात्मक सहारे की जरूरत होती है। क्योंकि वह जीवन के उतार-चढ़ाव और परिस्थितियों से अनजान-अनभिज्ञ होते हैं। उनके लिए अच्छे नंबर से परीक्षा पास करना ही एवरेस्ट फतह करने के समान होता है। परीक्षा में अपनों का भावनात्मक सहारा संजीवनी बूटी के समान होता है। क्योंकि ये वो घड़ी होती है जिसका भय हर किसी को मन में थोड़ा-बहुत होता ही है।

वर्तमान में परीक्षाओं का दौर चल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों में तनाव, चिंता, उदासी और मायूसी होना आम बात है। ऐसे में माता-पिता के उत्साह भरे चंद शब्द बच्चों में नई स्फूर्ति ला देते हैं। यदि किसी कारण से आपका बच्चा तनाव में हो या परीक्षा के डर से गुजर रहा हो तो उसे मानसिक सहारा बेहद जरूरी हो जाता है। बच्चों को महापुरुषों और सफल लोगों के उदाहरण देकर उत्साह बढ़ाएं। उन्हें यह अहसास कराएं कि परीक्षा तो जीवन में आगे बढने का मात्र एक जरिया है।

कुछ समय बच्चों के साथ बिताएं....

माता-पिता और बड़े भाई-बहन अपने छोटे भाई-बहनों के बीच रोजाना कुछ पल हंसी-मजाक के बीच जरूर बिताएं। उनके साथ अपने जीवन के सकारात्मक अनुभव सांझा करें। साथ ही दिनभर में जो भी प्रेरणादायी कार्य किए उससे अवगत कराएं। उन्हें यह जताने की कोशिश करें कि जिंदगी के हर मोड़ पर हम सभी आपके साथ हैं। आप अकेले नहीं हो। परीक्षा तो सभी के जीवन में आती है।

तुलना करने से बचें...

वैज्ञानिक शोधों में सामने आया है कि बच्चों में अवसाद का सबसे बड़ा कारण उनकी तुलना अन्य बच्चों से करना है। जब अभिभावक अपने बच्चों के सामने पड़ोसी या दोस्तों के बच्चों की तुलना करते हैं तो उनमें हीनभावना बढ़ती है और आत्म विश्वास कम होता है। इसलिए अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करने से बचें। दुनिया में हर इंसान अपने आप में अनोखा और अद्भुत है।

खूबियों की करें सराहना...

बड़ों का हमेशा प्रयास हो कि अपने बच्चे में जो खूबी है उसकी हमेशा सराहना करते रहें। इससे जहां उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा वहीं बच्चा उस खूबी या विशेषता को बढ़ाने में और उत्साहित होगा और अपनी खूबी को तराश पाएगा। साथ ही बच्चे को उसकी रुचि के मुताबिक हर संभव जानकारी जुटाने में मदद करें।

मेडिटेशन व योगा के लिए करें प्रेरित...

यदि बच्चे में मेडिटेशन और योगा को लेकर रुचि नहीं है तो उसे इसके फायदे बताएं। उसे धीरे-धीरे रोजाना कुछ समय मेडिटेशन करने के लिए प्रेरित करें। अपने बच्चे को बताएं कि कैसे मेडिटेशन से मतिष्क की कार्यक्षमता और एकाग्रता बढ़ती है। याददाश्त तेज होती है। कम समय में ज्यादा पढ़ाई कर सकते हैं। वहीं प्राणायाम-योगासन से शारीरिक रूप से फिट रह सकते हैं। मेमोरी टेक्निक सिखाने में भी मदद करें।

बच्चे सुबह उठते और रात में सोते समय ये विचार करें...

मैं बहुत बुद्धिमान हूं..., मैं जो पढ़ता हूं वह सब याद रहता है..., मेरे लिए सभी विषय आसान हैं..., गणित पढने में मुझे सबसे ज्यादा आनंद आता है, मेरा सबसे प्रिय विषय है..., अंग्रेजी भी बहुत सरल है..., मेरी याददाश्त तेज होती जा रही है..., मेरा ब्रेन बहुत पॉवरफुल है..., सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है..., परमात्मा का आशीर्वाद सदा मेरे साथ है..., मैं बहुत खुश हूं..., मेरे सभी शिक्षक बहुत अच्छे हैं..., मेरे माता-पिता मुझे बहुत प्यार करते हैं। साथ ही विजुलाइज करें कि पेपर हल करना मेरे लिए बहुत ही सरल है। इससे परीक्षा का डर समाप्त हो जाएगा और मन में आत्म विश्वास जागेगा।

संस्कृति प्रदर्शनी] वर्तमान परिदृश्य में राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग की व्याख्या

शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास में मनाया अमृत महोत्सव

- मार्गदर्शन के माध्यम से राजयोग ध्यान का अनुभव कराने के लिए भव्य-दृश्य दिखाया।
- पुण्य चक्र आगंतुकों द्वारा बहुत सराहा गया।

श्री शंभू एल.हक्की के साथ भारत के महावाणिज्य दूतावास के भाई-बहन।

शिव आमंत्रण, शंघाई और ग्वांगझू (चीन)। इस वर्ष के भारत सरकार स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसलिए भारत के वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित दिवाली कार्यक्रम भी इस वर्ष विशेष था। भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत करने के लिए दीपावली के अवसर पर शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा एक पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ इनर स्पेस शंघाई को भारतीय आध्यात्मिकता और भारत के प्राचीन राजयोग को प्रस्तुत करने और पेश करने के लिए 2 स्टाल दिए गए थे। बीके स्टालों में शामिल हैं।

- वर्तमान परिदृश्य में राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग की व्याख्या करने वाली प्रदर्शनी।
- पुण्य चक्र आगंतुकों द्वारा बहुत सराहा गया।
- मार्गदर्शन के माध्यम से राजयोग ध्यान का अनुभव करने के लिए एक श्रव्य-दृश्य कोने।
- मॉडर्न टाइम्स में भारत के प्राचीन राजयोग की थीम पर खुले सभागार में बीके सिस्टर सपना का ऑनलाइन भाषण। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास, डॉ एन नंदकुमार ने अन्य अधिकारियों के साथ भी ज्ञान और अन्य गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। आगंतुकों में भारतीय, स्थानीय चीनी और अन्य प्रवासी भी शामिल थे।
- गुआंगज़ौ गुआंगझोउ में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के इस अवसर पर बड़े पैमाने पर आयुर्वेद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें संस्कृति विनिमय कार्यक्रम के एक भाग के रूप में भारतीय नृत्य करने के लिए आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम का आनंद लेते भाई बहनें।

भूमिपूजन समारोह | नैतिक मूल्य, चारित्रिक मूल्य, पारिवारिक मूल्य तथा सामाजिक मूल्यों पर दिया जोर

शांति, शक्ति और दिव्य गुणों का प्रकाश स्तंभ बनेगा दिव्य प्रकाश सरोवर ट्रेनिंग सेंटर: बीके मृत्युंजय

- ब्रह्माकुमारीज़ जैसी आध्यात्मिक संस्थाएं समाज में मूल्यों का पुनर्निर्माण करने में निरंतर प्रयास कर रही हैं

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन करते हुए बीके मृत्युंजय और अन्य।

शिव आमंत्रण, जलगांव (महाराष्ट्र)। शांति, शक्ति और दिव्य गुणों का प्रकाश स्तंभ बनकर मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाने का श्रेष्ठ कार्य दिव्य प्रकाश सरोवर द्वारा होगा। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव तथा शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीज़ जलगांव उपक्षेत्र द्वारा आयोजित दिव्य प्रकाश सरोवर ट्रेनिंग सेंटर का भूमिपूजन कार्यक्रम ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई के शुभ कर कमलों से किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि आज जहां एक ओर सारे विश्व में नैतिक मूल्य, चारित्रिक मूल्य, पारिवारिक मूल्य तथा सामाजिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर ब्रह्माकुमारीज़ जैसी आध्यात्मिक संस्थायें समाज में मूल्यों का पुनर्निर्माण करने में निरंतर प्रयास कर रही है। जलगांव उपक्षेत्र की निदेशिका बीके मिनाक्षी ने शान्ति का एशलम स्थान द्वारा व्यसनमुक्त, अवगुणमुक्त निर्विकारी समाज का कार्य होगा - ऐसी शुभ आशायें व्यक्त की। भूमि शुद्धिकरण कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय, माउंट आबू से बीके आनंद भाई, ज्ञान सरोवर बीके रवि भाई, बीके अरविंद भाई, बीके रमेश भाई पधारे थे। मंच पर बीके मीरा दीदी, बीके पुष्पा दीदी, मेजर नाना वाणी, अध्यक्ष भागीरथ इंग्लिश स्कूल आदि अतिथिगण उपस्थित थे।

बीके डॉ. सोमनाथ वडनेरे, धीरज भाई सोनी, डॉ. किरण पाटिल, दीपक मुंदडा, शोभा मुंदडा, मिलिंद राठी, सरपंच महोदय आदि ने अपने विचार रखें। कु. लक्ष्मी, भाविका, दीया, शान्या, सुमना तथा अन्य बालिकाओं ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को आनंद-विभोर कर दिया। इस अवसर पर जलगांव उपक्षेत्र तथा अन्य सेवास्थानों से करीब 3 हजार भाई-बहनों ने उपस्थित थे। ब्र.कु. वर्षा बहन ने सभी का स्वागत किया। मंच संचालन ब्र.कु. प्रांजली बहन तथा बीके अश्विनी बहन ने किया। मंच व्यवस्था के लिए ब्र.कु. हेमलता बहन तथा अन्य बहनों ने योगदान दिया। सायंकालीन सत्र में शिक्षा प्रभाग के लिए ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई ने विशेष प्रेरक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने नई शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा को अत्यंत आवश्यक बताया तथा शिक्षा नीति में नये आयामों पर अपने विचार रखें।

खबर, एक नज़र

बीके प्रेमलता सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट से सम्मानित

शिव आमंत्रण, मोहाली पंजाब। कोरोनाकाल में मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना योगदान देने के कार्य के लिए पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने सुख शांति भवन फेज 7 में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके प्रेमलता को सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट स्वीजरलैण्ड प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड लण्डन के राष्ट्रीय सचिव बीके डॉ. दीपक हरके, रोपड सेवाकेंद्र की संचालिका बीके रमा, खरड की संचालिका बीके भावना, नम्रता, अमन, बीके रसजीत, बीके मीना, बीके सुमन, बीके जसबीर सिंह व बीके विनोद मौजूद रहे।

कलश यात्रा से दिया शांति, सद्भाव और एकता का संदेश, प्रदर्शनी से राजयोग का महत्व बताया

शिव आमंत्रण, कहलगांव भागलपुर/बिहार। आध्यात्मिक ज्ञान चित्र पदर्शनी लगाकर राजयोग सिखाने के लिए शहर में निकाला कलश यात्रा जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेकर मेडिटेशन का प्रशिक्षण लिया।

आध्यात्मिक जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका शिव आमंत्रण अब आपके हाथों में, अपने मोबाइल के QR Code Scanner से अभी इंस्टॉल करें और जाने सबसे अपडेट समाचार...

▪ प्रकाशक एवं मुद्रकः ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लिमिटेड जयपुर से मुद्रित ▪ संपादकः ब्र.कु. कोमल ▪ संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र ▪ RNI No.: RJHIN/2013/53539